डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें?और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 33 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 15 सितंबर से 21 सितंबर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

भारत की मुस्लिम देशों को लेकर पॉलिसी में बदलाव आ रहा है

-लेकिन देश के अंदर मुसलमानों के साथ सख्ती जारी है

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अमेरिका, इजरायल की दोस्ती एवं हिंदूत्व की नीति पर चलने के कारण भाजपा की मोदी सरकार की विदेश नीति कुछ अलग ही नजर आ रही थी। भारत ने इजरायल से इतनी गहरी दोस्ती कर ली थी कि करीब 60 मुस्लिम देश भी पीछे छूट गए। भारत विश्व का पहला ऐसा देश है जिसने इजरायल-हमास युद्ध के दौरान करीब 25000 मजदूर इजरायल भेजें। मोदी सरकार का यह बड़ा फैसला था। मोदी सरकार ने मुस्लिम देशों से संबंधों की कोई चिंता नहीं की थी। देश की पूर्ववर्ती सरकारों ने हमेशा स्वतंत्र फिलीस्तीन देश की पैरवी की थी और इजरायल के पक्ष में कभी नहीं दिखाई दिए। लेकिन अमेरिका की सत्ता में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद और भारत-पाकिस्तान के बीच तीन दिवसीय युद्ध के बाद देश की विदेश नीति बदलती दिखाई दे रही है। भारत का दोस्त माना जाने वाला अमेरिका भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा देता है और भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है। जबकि जवाब में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोई जवाब नहीं देते हैं और पुरानी दोस्ती का पूरा सम्मान करते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश हित में अमेरिका और इजरायल से दूरी बनाना शुरू कर दिया और चीन, रूस, ईरान और पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ाना शुरू कर दिया। मोदी ने चीन की यात्रा करके चीन से दोस्ती बढ़ाने की कोशिश की है और पाकिस्तान से क्रिकेट मैच खेल कर पुरानी दुश्मनी भूलने का संकेत दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया के मुस्लिम देशों के साथ भी अच्छे संबंध बनाने के प्रयास कर रहे हैं जिससे देश का व्यापार बढ़ सके और अमेरिकी टैरिफ से होने वाले घाटे की भरपाई हो सके। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ में इसी कारण से स्वतंत्र फिलीस्तीन देश बनाने के पक्ष में मतदान किया है।

मुस्लिम के साथ घरेलू मोर्चे पर व्यवहार-

विदेश में मोदी सरकार मुस्लिम देशों के साथ अच्छे संबंध बना रही है और यहां तक की कट्टर दुश्मन देश पाकिस्तान के साथ भी 14 सितंबर को दुबई में क्रिकेट मैच खेल लिया। इस क्रिकेट मैच का भारत की जनता ने पुरजोर विरोध किया। लेकिन मोदी सरकार ने देश की जनता की भावनाओं को समझने की कोशिश नहीं की। दूसरी तरफ देश में भाजपा शासित राज्यों में मुसलमानो के साथ सख्ती जारी है। उत्तर प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और महाराष्ट्र आदि प्रदेशों में कभी मुसलमानो के घरों पर, दरगाहों पर, मस्जिदों पर, तो कभी मदरसों पर कोई ना कोई सरकारी कागजात की कमी बताकर प्रशासन बुलडोजर चला देता है। भाजपा शासित प्रदेशों में प्रशासन का अल्पसंख्यकों के साथ पक्षपात साफ झलकता है। जबकि मुसलमान भी भारत के सर्वमान्य नागरिक हैं और उनके पुरखों ने देश की आजादी में कुर्बानी और आजादी के बाद विकास में योगदान दिया है। वर्तमान में मुस्लिम समुदाय देश के विकास में उतना ही योगदान देता है जितने दूसरे समुदाय। फिर मुसलमानो के साथ कभी वक्फ संशोधन बिल तो कभी धार्मिक बिल लाकर परेशान करने की कोशिश की जाती है। जबकि सभी जानते हैं कि देश की आर्थिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास के लिए देश में आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं शांति जरूरी है। किसी भी पार्टी के लिए देश और उसका विकास जरूरी होना चाहिए।

राजस्थान वक्फ बोर्ड ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए गाड़ियों में भरकर भेजी राहत सामग्री

-पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पंजाब में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित

लोगों की मदद के लिए राजस्थान भी आगे आया है। राजस्थान वक्फ बोर्ड, जयपुर की ओर से पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रक को 9 सितम्बर मंगलवार को जयपुर से रवाना किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक रफीक खान और वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष खानु खान बुधवाली ने हरी झंडी दिखाकर इन ट्रकों को रवाना किया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान के लोगों के मददगार स्वभाव की सराहना करते हुए कहा कि राज्य हमेशा से ही हर आपदा में मदद के लिए आगे आया है। उन्होंने ओडिशा की बाढ़, गुजरात के भूकंप, केदारनाथ त्रासदी और केरल की बाढ़ जैसी पिछली आपदाओं में भी राजस्थानियों द्वारा की गई सहायता का जिक्र किया। गहलोत ने वक्फ बोर्ड की इस पहल को 'इंसानियत और संवेदनशीलता की मिसाल' बताया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और विधायक रफीक खान ने भी इस मानवीय पहल की सराहना की और कहा कि संकट की इस घड़ी में राजस्थान के लोग हमेशा देशवासियों के साथ खड़े हैं। वक्फ बोर्ड अध्यक्ष खानु खान बुधवाली ने जानकारी दी कि यह राहत सामग्री बोर्ड की विभिन्न इकाइयों के सहयोग से एकत्र की गई है, जिसमें रोज़मर्रा के उपयोग की आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं।

देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी में से कौन ज्यादा लोकप्रिय?

-क्या राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बन पाएंगे?

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश में नई बहस शुरू हो चुकी है। देश में

चर्चा हो रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संसद में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी में से कौन ज्यादा लोकप्रिय है। भविष्य में क्या राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में लोकप्रिय नेता हैं। मोदी देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं और तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। प्रधानमंत्री की कुशल राजनीति के कारण ही भाजपा देश की केंद्रीय सत्ता में आ सकी और लगातार चुनाव जीत रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंदुओं के एक बड़े वर्ग में बेहद लोकप्रिय हैं। मोदी सरकार कुछ निर्णयों के कारण ही देश में उनकी पहचान बनी, जिससे देश को फायदा हुआ या नुकसान यह अलग बात है। इनमें है:- नोटबंदी, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) शुरू करना, अनुच्छेद 370 को हटाना, सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट स्ट्राइक, ट्रिपल तलाक पर रोक, नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA), अयोध्या मंदिर का भूमि पूजन, स्वच्छ भारत अभियान आदि कुछ निर्णय और भी साहसी निर्णय है:- जैसे रूस से पेट्रोल खरीदने का निर्णय। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में कुछ ऐसे निर्णय हैं जिनको जनता पसंद नहीं करती है जैसे चुनाव आयोग को शक्तिशाली बनाना और उसके जरिए पक्षपात करना, पूंजी पतियों को गैर जरूरी फायदा पहुंचाना, युवाओं को रोजगार देने में नाकामी, भ्रष्टाचार और देश में नफरत की राजनीति। प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के आरोप लगे हैं। चुनाव में धांधली के बड़े आरोप मोदी की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। फिर भी भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कद को और लोकप्रिय नेता दूसरा नहीं है। करीब 75 वर्ष की आयु में प्रधानमंत्री का राजनीति में पूरी तरह सक्रिय रहना उनके लिए अच्छा संकेत है।

राहुल गांधी :-

राहुल गांधी कांग्रेस के नेता हैं और संसद में नेता प्रतिपक्ष हैं। राहुल गांधी ने राजनीति में शुरुआत से लेकर अब तक ऐसे नेता की छवि देश की जनता के सामने बनाई है जिसमें मेहनत करने वाला, साहसी, निडर, ईमानदार एवं सूझबूझ वाला नेता झलकता है। कांग्रेस के दूसरे नेता ईडी, सीबीआई एवं अन्य आरोपी के डर से डर के पार्टी छोड़ रहे थे और कुछ सत्ता पक्ष से मिलकर पार्टी के साथ गद्दारी कर रहे थे। उसी समय राहुल गांधी निडरता से सड़कों पर उतरकर सत्ता पक्ष की मनमानी रोक रहे थे। उन्होंने ईडी,सीबीआई और जांच एजेंसियों का डटकर मुकाबला किया।

राहुल गांधी देश के पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने शक्तिशाली संगठन आरएसएस और शक्तिशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को देश के लिए नुकसानदायक बताया और देश के लिए बांटने वाली नीति कहा। राहुल गांधी को डराने के लिए विभिन्न आरोप लगाए गए। एजेंसियों से जांच करवाई गई। लेकिन उन्होंने बिना किसी डर, भय से देश के युवाओं, किसानों, मजदूरों, आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों के हित में आवाज उठाना बंद नहीं किया।

विपक्ष में रहकर सरकार की कमियों और गलत नीतियों को जनता को बताने का काम राहुल गांधी से ज्यादा दूसरा नेता नहीं कर सकता है। राहुल गांधी देश के ऐसे जमीनी नेता बन गए हैं जो देश की आवाज, जनता की आवाज बिना किसी धर्म, जाति एवं वर्ग की ओर झुके निष्पक्षता से उठाते हैं। जिस राहुल गांधी को शुरुआत की राजनीति में पप्पू समझा जाता था या राजनीति ने उन्हें पप्पू बना दिया था। वर्तमान में देश की जनता उन्हें भावी प्रधानमंत्री मानने की और अग्रसर है। राहुल गांधी को देश का भविष्य का नेता माना जाने लगा है। राहुल गांधी की मेहनत, संघर्ष, लग्न, निडरता एवं उनके विचारों से देश के युवा प्रेरणा लेने लगे है। कांग्रेस पार्टी में अब कोई भी नेता राहुल गांधी के कद का नहीं है। राहुल गांधी ही कांग्रेस है। राहुल गांधी निराधार रूप से देश के लोकप्रिय नेता हैं और देश की सोच रखने वाले नेता हैं। यह भी माना जा सकता है कि देश में दो ही लोकप्रिय नेता हैं जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दूसरे नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी है।

नकल रोकने की एआई तकनीक कारगर साबित हुई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2025 में नकल पर लगाम कसने के लिए पहली बार अपनाई गई एआई तकनीक बड़ी कारगर साबित हुई। दो दिन चली इस परीक्षा के दौरान प्रदेशभर में 13 डमी अभ्यर्थियों को एआई आधारित बायोमेट्रिक सिस्टम की मदद से पकड़ लिया गया। बता दें कि जयपुर के मुरलीपुरा इलाके में पकड़ा गया एक मामला सबसे चर्चित रहा, जिसमें चाचा-भतीजे दोनों की पोल खुल गई। शनिवार को मुरलीपुरा स्थित शहीद हिम्मत सिंह राजकीय स्कूल में परीक्षा देने पहुंचे धौलपुर निवासी भूपेंद्र गुर्जर को एआई सिस्टम ने पकड़ लिया। जांच में सामने आया कि भूपेंद्र ने जून माह में धर्मवीर के नाम से परीक्षा दी थी। बायोमेट्रिक मिलान और फोटो स्कैन से यह गड़बड़ी सामने आई। परीक्षा पूरी होते ही एसएचओ वीरेंद्र कुरील की टीम ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। बाद में उसके भतीजे धर्मवीर को भी पकड़ा गया। दोनों के खिलाफ नए परीक्षा अधिनियम के तहत जीरो नंबर एफआईआर दर्ज कर मामला झोटवाड़ा थाने भेजा गया है।

आत्महत्या से जुड़े मिथक एवं तथ्यों की दी जानकारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' पर अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला की अध्यक्षता में बुधवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य के विषय विशेषज्ञों, इस क्षेत्र में कार्य कर रहे डवलपमेंट पार्टनर्स के प्रतिनिधियों एवं नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान आत्महत्या रोकथाम से जुड़े मिथक व तथ्य विषय पर तैयार पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

अतिरिक्त मिशन निदेशक ने कहा कि मेडिकल प्रोफेशन से जुड़े चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ आदि स्वयं के साथ अन्य हजारों जिंदगिंयों के साथ जुड़े हुए होते हैं। उन्हें चाहिए कि प्रोफेशनल करियर के दौरान रोगियों में मानसिक स्वास्थ्य के लक्षणों को पहचानते हुए उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान करने पर विशेष ध्यान दें। साथ ही स्वयं भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहें। उन्होंने बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा समग्र दृष्टिकोण के साथ निरामय राजस्थान अभियान संचालित किया जा रहा है।

भाजपा सत्ता हथियाने के लिए हर संभव हथकंडे अपना रही है- डोटासरा

-वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान 15 सितंबर से शुरू करेगी कांग्रेस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा तथा

राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने 13 सितम्बर शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार प्रदेश में वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान के तहत् 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर, 2025 तक चलने वाले हस्ताक्षर अभियान की तैयारियों के लिये सम्भाग व जिला प्रभारी पदाधिकारी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष, जिला स्तरीय अभियान प्रभारी तथा विधानसभा प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर अभियान की सफलता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी, राजस्थान सहप्रभारी चिरंजी राव, रित्विक मकवाना, सुश्री पूनम पासवान शामिल रहे। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा सत्ता हथियाने के लिये हर सम्भव हथकण्डे अपना रही है और संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग सत्ता में बने रहने के लिये किया जा रहा है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गाँधी ने भाजपा द्वारा वोट चोरी कर सत्ता हथियाने का पर्दाफाश किया है जिस पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा भाजपा द्वारा की गई वोट चोरी के विरोध में देशभर में वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत् 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक विभिन्न चरणों में प्रदेशभर में कांग्रेस द्वारा भाजपा की वोट चोरी के विरूद्ध हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा। अभियान के प्रथम चरण में 15 सितम्बर से 17 सितम्बर तक सभी जिला कांग्रेस कमेटियों की बैठक आयोजित होगी जिसमें जिला प्रभारी, अभियान प्रभारी, जिला पदाधिकारी को उक्त जिले में निवासरत जनप्रतिनिधिण शामिल रहेंगे और वोट चोर-गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान की तैयारियां करेंगे। इसके पश्चात् ब्लॉक, मण्डल, नगर कांग्रेस स्तर तक इस अभियान के लिये पदाधिकारियों की बैठक होगी। अभियान के प्रथम चरण में पार्टी के सभी पदाधिकारियों के हस्ताक्षर अभियान के तहत् लिये जायेंगे तथा अगले चरण में कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता घर-घर जाकर आमजन से ज्ञापन पर हस्ताक्षर लेकर भाजपा की वोट चोरी के विरूद्ध जनमत संग्रह करेंगे। इस अभियान के तहत् कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता घर-घर हस्ताक्षर अभियान कराते हुये भाजपा द्वारा सरकार बनाने के लिये की गई वोट चोरी के साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की विफलतायें भी उजागर करेंगे जिसमें प्रमुख रूप से भाजपा की प्रदेश सरकार पाँच वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर भी निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव नहीं करवा रही है और कांग्रेस सरकार के शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जिस प्रकार ठण्डे बस्ते में डाला जा रहा है इससे प्रदेशवासियों को अवगत करवाया जायेगा। बैठक को सम्बोधित करते हुये राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने कहा कि सभी नेताओं को संगठन द्वारा दिये गये दायित्वों का निर्वहन पूर्णतया तत्परता के साथ करना होगा क्योंकि संगठन की मजबूती से ही नेताओं को ताकत् मिलती है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक समय जिलाध्यक्ष रह चुके हैं, अशोक गहलोत जिलाध्यक्ष रह चुके हैं, इसी प्रकार गोविन्द सिंह डोटासरा एवं टीकाराम जूली भी पूर्व में जिलाध्यक्ष रहे हैं। जिलाध्यक्ष रहते हुये आज इस मुकाम पर पहुँचें है इसी से प्रेरित होकर सभी जिलाध्यक्षों को अपने दायित्व का निर्वहन करना चाहिये जिससे आने वाले समय में वे भी इन नेताओं की तरह ऊंचे मुकाम को हासिल कर सके।

बैठक को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी, सहप्रभारी चिरंजी राव, रित्विक मकवाना, सुश्री पूनम पासवान ने भी सम्बोधित किया।

डोटासरा का बयान निंदनीय और संसदीय मर्यादाओं की घोर अवहेलना- मदन राठौड़

-स्पीकर संरक्षक और गार्जियन के समान होता है, उस पर आरोप लगाना अत्यंत निंदनीय

-निजता की दुहाई देना संसदीय परंपराओं की अज्ञानता का परिचायक- मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा विधानसभा में कैमरे को लेकर दिए गए विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे निंदनीय और संसदीय मर्यादाओं की घोर अवहेलना बताया है। राठौड़ ने स्पष्ट किया कि विधानसभा कोई निजी स्थान नहीं बल्कि लोकतंत्र का मंदिर है। यहाँ होने वाली प्रत्येक गतिविधि जनता के हित में होती है और पूरी पारदर्शिता के साथ उसका प्रसारण किया जाता है। निजता की दुहाई देना संसदीय परंपराओं की अज्ञानता का परिचायक है। राठौड़ ने कहा कि जो लोग काम करते नहीं, सेवा करते नहीं, अनर्गल बयानबाजी करते है और स्पीकर पर इस तरह के आरोप लगाते है यह अत्यंत निंदनीय है। राठौड़ ने डोटासरा के बयान पर कहा कि जो जैसा होता है, वो वैसा सोचता है, जिसका व्यक्तिगत जीवन जैसा होता है, वो दूसरो के बारे में भी वैसा ही सोचता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के चरित्र पर अंगुली उठाना , ये कांग्रेस की ओछी मानसिकता को दर्शाता है। स्पीकर सरंक्षक होता है, एक सम्मानजनक पद है, उस आसन पर बैठने वाला एक गार्जियन होता है। उस पर आरोप लगाना, बेहद ही शर्मनाक है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के सवालों का जवाब विधानसभा अध्यक्ष दे चुके, लेकिन विधानसभा में पूरी तरह फेल हो जाना, जनता के मुद्दे नहीं उठा पाना और केवल हंगामा करना ही इनका मकसद रह गया है। डोटासरा भूल गए कि विधानसभा में इनके वरिष्ठ नेता राजस्थान को मर्दों का प्रदेश बताते है, इनकी सरकार के समय राजस्थान महिला अपराध में नंबर वन पर पहुंच गया था, अब ये अनर्गल बयानबाजी करके सिर्फ सुर्खियां बटौर रहे है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के द्वारा बार-बार वोट चोरी और ईवीएम हैकिंग जैसे झूठे और भ्रामक आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस के इतिहास की याद दिलाई। उन्होंने कहा

कि "वोट चोरी की शुरुआत खुद पंडित नेहरू के समय में हुई थी, जब 1952 में मौलाना आज़ाद के हारने के बावजूद मतपेटी से छेड़छाड़ कर जिताया गया। यह कांग्रेस की खानदानी परंपरा रही है, फिर चाहे वह इंदिरा गांधी द्वारा सरकारी तंत्र के दुरुपयोग का मामला हो या आज राहुल गांधी द्वारा बार-बार चुनाव आयोग पर प्रश्नचिह्न लगाना। उन्होंने कहा कि कितने आश्चर्य की बात है कि सोनिया जी 1980 में मतदाता बना दी गई थी, जबकि सोनिया जी ने भारत की नागरिकता ही 1983 में ली थी। राठौड़ ने कहा कि 1984 के बाद से कांग्रेस का जनाधार लगातार गिरा है। 2014 में यह ऐतिहासिक रूप से निम्न स्तर पर पहुंच गई। अब जब कांग्रेस चुनाव हारती है, तो वे चुनाव आयोग, ईवीएम, वोटिंग प्रक्रिया – हर एक पर सवाल खड़ा करते हैं। लेकिन जब चुनाव जीतते हैं, तब सब कुछ सही लगता है। यह दोहरा चरित्र अब जनता भली-भांति समझ चुकी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी का बार-बार ईवीएम और वोट चोरी पर बयान देना उनकी निराशा और जनता में खोते जनाधार का संकेत है। बिना आधार के ऐसे आरोप न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान हैं बल्कि देश की जनता का भी अपमान हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेसी नेता कभी मोदी सरनेम को लेकर बयानबाजी करते है, और उन्हें जेल भी जाना पड़ता है फिर भी अनर्गल बयानबाजी से बाज नहीं आते है। यही नहीं, कभी वरिष्ठ नेताओं की माताजी के लिए अशोभनीय टिप्पणी कर देते है, कभी मिमिक्री करते है, ये इस तरह अपनी हताशा दर्शाते है। यह सब उनका जनाधार खो जाने पर विक्षिप्त मानसिकता का संकेत है।

SMS अस्पताल में चिकित्सा इतिहास रचा गया

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। पहली बार हुआ लाइव लिवर ट्रांसप्लांट, पत्नी ने बढ़ाया जीवनदान का हाथ – पति को दिया अपने लिवर का हिस्सा, 15 घंटे का सफल ऑपरेशन – डोनर और मरीज दोनों की हालत स्थिर, 2 महीने की तैयारी, 40% लिवर ट्रांसप्लांट कर बचाई जान, अब तक SMS में 13 कैडेवर ट्रांसप्लांट, पहली बार जीवित डोनर से, महंगा ऑपरेशन SMS में निशुल्क, 7000 मरीजों को मिलेगी राहत की राह, डॉ. दिनेश भारती की अगुवाई में हुई ऐतिहासिक सर्जरी, चिकित्सा प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी बोले – SMS को बनाएंगे ट्रांसप्लांट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस।

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
• Real Estate Sales & Marketing
• Facility Management Services
2, 3 & 4 BHK Flats
Tialk Nagar, Raja Park, Jawahar Nagar, Aadrsh Nagar, Moti Dungari Road, Fateh Teeba & Nearby Location
+91 8386 94 70 05

चौमूं के NH52 पर जगह-जगह टूटी सड़कों से आवागमन में परेशानी..!

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। NHAI के जिम्मेदार अधिकारी नहीं दे रहे इस ओर कोई ध्यान चौमूं के जैतपुरा में पुलिया निर्माण कंपनी के खिलाफ लोगों ने जताया विरोध। चौमूं हाइवे पर हिमालय कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किया जा रहा है निर्माण कार्य। चौमूं में हाइवे निर्माण कार्य में लापरवाही के खिलाफ स्थानीय लोगों का फूटा गुस्सा। ट्रैफिक को किया गया सर्विस रोड पर डायवर्ट, लेकिन सर्विस रोड जगह-जगह टूटी-फूटी हालत में, हाइवे पुलिया निर्माण कार्य के दौरान उड़ने वाली मिट्टी धूल से स्थानीय दुकानदार काफी परेशान। सैकड़ो की संख्या में एकत्रित ग्रामीणों ने चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा को करवाई शिकायत दर्ज। चौमूं में हाइवे पर कंस्ट्रक्शन निर्माण कंपनी की लापरवाही के चलते बने रहते हैं जाम के हालात।

बलाई विकास समिति जयपुर की बैठक सम्पन्न

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के मोरीजा रोड़ बी-2, गुलाब विहार कॉलोनी में स्थित बलाई समाज सभा-भवन में रविवार को बलाई विकास समिति जयपुर, मुख्यालय-चौमूं के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार की अध्यक्षता में बैठक हुई। समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि बैठक में समिति द्वारा आयोजित किए गए पांच कार्यक्रमों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रम के लिए चर्चा-परिचर्चा की गई। इस दौरान समिति के उपाध्यक्ष राजपाल सिंह वर्मा, शंकरलाल सरावता, उप महासचिव हनुमान सहाय झांटीवाल, सचिव राजेंद्र प्रसाद काला, प्रहलाद राय जाटावत, संगठन सचिव मुकेश कुमार कालोया, नरेश कुमार रोजड़ा, सदस्य घीसालाल बबेरवाल, कालूराम किरोड़ीवाल, फूलचंद सिंघल, कैलाश चंद लाखीवाल आदि समाजबंधु मौजूद थे।

राज्यपाल ने विश्व लोकतंत्र दिवस पर युवा संसद अधिवेशन में भाग लिया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विश्व लोकतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारतीय संविधान सर्वोच्च है। लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने लोकतंत्र में सभी स्तरों पर जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने और सभी को पारदर्शिता से कार्य करने की संस्कृति विकसित करने का आह्वान किया।

बागडे सोमवार को इंदिरा गांधी पंचायत राज संस्थान सभागार में 'भारतीय युवा संसद' के अधिवेशन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा देश के कर्णधार हैं, उन्हें 'देश प्रथम' की सोच से कार्य करने के लिए सभी स्तरों पर प्रेरित किया जाए। उन्होंने विश्व में लोकतंत्र के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में बाबा साहेब अम्बेडकर ने संविधान निर्माण के दौरान यह ध्यान रखा कि विश्वभर का जो श्रेष्ठतम है, वह हमारे संविधान में आए।

राज्यपाल ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र इसलिए है कि यह समानता, न्याय और उदात्त जीवन मूल्यों से जुड़ा है। उन्होंने सही शिक्षा के जरिए लोकतंत्र को मजबूत किए जाने का आह्वान किया। इसके लिए उन्होंने विद्यालयों और महाविद्यालयों में बौद्धिक और शारीरिक क्षमता बढ़ाते हुए प्रतिभा संपन्न युवाओं की संख्या बढ़ाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि थाली में भोजन का जो नियोजन कर सके और खाने के बाद भोजन फेंकना नहीं पड़े वही राष्ट्र और समाज में नियोजन के लिए कार्य करने में सक्षम हो सकता है।

असर बाक़ी है

पाक संबंध आपस में बढ़ाया जाए
कभी तो हमारे घर आया जाए
बहुत बैचैन करते हैं रात-दिन
जागते ख़्वाबों को सुलाया जाए
छू लेने का वो असर बाकी है
मिलना जुलना भी बढ़ाया जाए
फिर उतर आयी छत पे चांदनी
चांद को पहलु में बिठाया जाए
उम्र तो साथ चलने को मिली है
जोश से हर क़दम बढ़ाया जाए
जोश से कदमों को बढ़ाया जाए
हार का स्वाद दुश्मने जां जानें
जीत का जश्न आ के मनाया जाए

-फ़ज़लुर्रहमान

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश को स्वच्छता अभियान जैसा आंदोलन दिया- हामिद मेवाती

टोंक (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से भारतीय जनता पार्टी पूरे प्रदेश में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में सेवा पखवाड़ा मनाएगी। इसी क्रम में टोंक में अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ मंन बैठक की। बैठक में सेवा पखवाड़ा एवं आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हामिद खान मेवाती ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी की संगठन में एक कार्यकर्ता से देश के प्रधानमंत्री बनने तक की यात्रा हमें यह सिखाती है कि राष्ट्र प्रथम की भावना, निष्ठा, परिश्रम और सेवाभाव जब एक साथ आते हैं तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। मेवाती ने कहा कि गरीब और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो ऐतिहासिक कार्य किए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। गरीब को पक्का घर, हर घर शौचालय, हर गांव में बिजली और हर नागरिक तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने का उनका संकल्प उनकी दूरदर्शिता और सेवाभाव को दर्शाता है। विकसित भारत 2047 का सपना, सेवा पखवाड़े के माध्यम से साकार होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को स्वच्छता अभियान जैसा आंदोलन दिया, जो विश्व में एक मिसाल बन चुका है। स्वच्छता केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे विचारों की शुद्धता का भी प्रतीक है। मोदी जी ने सामाजिक सरोकार के कार्यों को प्राथमिकता दी, सनातन संस्कृति को मजबूत किया और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। प्रदेश की डबल इंजन सरकार पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर काम कर रही है। सेवा पखवाड़े के दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर वृक्षारोपण करेगा। बैठक मे भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश मंत्री मोहम्मद विकार खान, मोर्चा जिला अध्यक्ष अब्दुल रशीद, मोर्चा उपाध्यक्ष शादाब खान, रफीक अब्बासी, अब्दुल रज़्ज़ाक़, दानिश खान, हसीन खान,महबूब खान एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वीर अब्दुल हमीद के बलिदान दिवस के अवसर पर उनकी स्मृति में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे द्वारा विचार गोष्ठी का आयोजन भाजपा प्रदेश कार्यालय जयपुर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हामिद खान मेवाती के नेतृत्व में किया गया। गोष्ठी में वक्ताओं ने 1965 के भारत–पाक युद्ध में शहीद अब्दुल हमीद द्वारा दिखाए गए अदम्य साहस, अद्वितीय रणनीति और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चैची, अल्पसंख्यक मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एम.सादिक खान, सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

SI भर्ती घोटाले पर कांग्रेस-भाजपा की मिलीभगत उजागर

-हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद भी मंजू शर्मा पर FIR क्यों नहीं- आप राजस्थान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सब इंस्पेक्टर परीक्षा पेपर लीक मामले ने राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) में व्याप्त भ्रष्टाचार और कांग्रेस-भाजपा के नाजायज सम्बन्धों को पूरी तरह उजागर कर दिया है। राज्य की भाजपा सरकार रसूखदार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय उन्हें बचाने में जुटी हुई है। आम आदमी पार्टी के राजस्थान प्रभारी धीरज टोकस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय हुए इस बड़े घोटाले में भाजपा सरकार की भूमिका भी संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार कठोर कार्रवाई करने की बजाय आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है। टोकस ने कहा कि "पेपर लीक कोई एक व्यक्ति का काम नहीं हो सकता। यह संगठित टीमवर्क है, जिसमें आरपीएससी के चेयरमैन और सदस्यों की भूमिका की गहन जांच होनी चाहिए, जो अब तक नहीं हुई।" उन्होंने मांग की कि भजनलाल सरकार तत्कालीन कांग्रेस शासन में नियुक्त की गई मंजू शर्मा सहित सभी आरपीएससी सदस्यों पर एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराए।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर मंजू शर्मा को बचा रही है क्योंकि वह कवि कुमार विश्वास की पत्नी हैं और उनके मामले में ढिलाई बरतकर घोटाले की सच्चाई दबाई जा रही है। गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट की एकल पीठ ने पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी थी, लेकिन दो दिन पहले डबल बेंच ने उस आदेश पर रोक लगा दी है। सहप्रभारी घनेंद्र भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच मिलीभगत कई बार उजागर हो चुकी है।

वरना कोई कारण नहीं था कि घोटाला उजागर होने के बाद भी मंजू शर्मा भाजपा सरकार में पद पर बनी रहीं। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणियों के दबाव के बाद ही मंजू शर्मा का इस्तीफा हुआ, जबकि भाजपा सरकार ने उन्हें पहले नहीं हटाया। जबकि मंजू शर्मा की नियुक्ति कांग्रेस शासन काल में अक्टूबर 2020 में हुई थी, जबकि भजनलाल शर्मा सरकार को बने 19 महीने बीत चुके हैं उसके बावजूद भी राज्य सरकार ने कोई एक्शन नहीं लिया बल्कि उनको बचाने के लिए सत्ता का दुरुप्रयोग करते रहे, आम आदमी पार्टी की मांग है कि भले ही मंजू शर्मा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधे संपर्क है किंतु मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और एफआईआर दर्ज होनी चाहिए।

शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने जताया विरोध

-बिना रायशुमारी के शामिल किए जा रहे हैं ग्राम - मनीष

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा जयपुर शहर की 100 किलोमीटर परिधि में आने वाले राजस्व ग्रामों को शामिल करने की कार्यवाही को लेकर शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में गहरा असंतोष पनप रहा है। शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने इस मामले को गंभीर बताते हुए स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा से ग्रामों को जेडीए में शामिल नहीं करने की मांग उठाई है। विधायक यादव ने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र के कई ग्रामों को जयपुर विकास प्राधिकरण में सम्मिलित किया जा रहा है, लेकिन इस संबंध में किसी भी जनप्रतिनिधि से राय नहीं ली गई। विधानसभा के तृतीय अंतःसत्र में मैंने इस विषय पर प्रश्न क्रमांक 4 के माध्यम से जानकारी मांगी थी, जिसके उत्तर में स्वयं सरकार ने स्वीकार किया कि जनप्रतिनिधियों से कोई राय नहीं ली गई। विधायक यादव ने यह भी याद दिलाया कि विधानसभा के चतुर्थ सत्र में मंत्री झाबर सिंह

खर्रा ने सदन में आश्वासन दिया था कि विकास प्राधिकरण और नगर विकास न्यास योजनाएं तैयार करते समय स्थानीय विधायक से विचार-विमर्श कर योजना को जनभावना के अनुरूप बनाया जाएगा। इस आशय के निर्देश भी मंत्री द्वारा 10 सितम्बर 2025 को सभी विकास प्राधिकरणों एवं न्यासों को दिए गए थे। विधायक ने मांग की कि शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के राजस्व ग्रामों को जेडीए में शामिल नहीं किया जाए तथा इस संबंध में नई समिति गठित कर मंत्री महोदय की अध्यक्षता में बैठक बुलाई जाए। इसमें संबंधित क्षेत्र के विधायकों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए ताकि आमजन की राय और जनप्रतिनिधियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जा सके। विधायक ने साथ ही ये भी बताया कि अगर ग्रामों को जेडीए में शामिल किया गया तो ग्रामीण विकास प्रभावित होगा और किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि JDA में वर्तमान जो गाँव शामिल है उनमें JDA ने आज तक कोई विकास कार्य नहीं करवाया, JDA का ध्यान सिर्फ़ कॉलोनीयो और कॉलोनाइजरो तक सीमित रहता है, JDA का विकास व आमजन से कोई सरोकार नहीं रहता। छोटे-छोटे भूमि संबंधी कार्यों के लिए किसानों को जयपुर के चक्कर लगाने पड़ेंगे, जो काश्तकारो के लिए परेशानी का सबब होगा।

मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान का उर्स 12 अक्टूबर को

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। अल इस्हाकिया अल अशफाकिया ट्रस्ट के अध्यक्ष हाजी मोइनुद्दीन अशरफी ने बताया कि हजरत मुफ्ती आजम ए राजस्थान का 12 वां उर्स मुबारक 12 अक्टूबर को दरगाह परिसर में आयोजित होगा यह सालाना उर्स चोखा दरगाह स्थित हजरत अशफाक हुसैन नईमी रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह परिसर में आयोजित होता है उर्स में राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश से मुरीद आते हैं। उर्स को लेकर पोस्टर विमोचन किया गया। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी साजिद खान ने बताया कि पोस्टर विमोचन के मौके पर शौकत खान, इस्माइल बैग, मोहम्मद आरिफ, परवेज खान, मोहम्मद इरफान कुरैशी, रसूल बख्श, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद जाकिर, मौलाना रज्जब अली, नियामत पठान, खुर्शीद अहमद, सद्दीक राजु, जावेद हुसैन, आरिफ मारसाब, उमर गोल्डन, साजिद आदिल, मोहम्मद जाकिर, मोबिन कादरी, जावेद जाय, साबिर अली, वसीम

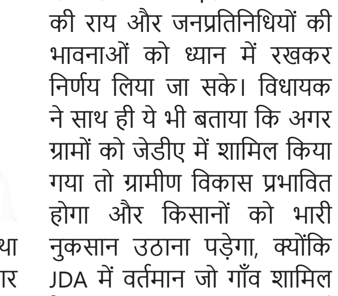

आफरिदी, मुख्तियार चिश्ती, फजलुद्दीन, पप्पू खान, हबीब खान, मुश्ताक अहमद, शोएब, साबिर हुसैन, मोहम्मद साजिद, राजू नूरी, आसिफ नूरी, इमरान कुरेशी, जुल्फिकार, रमजान अली सहित कई समाजसेवी, मुरीद ओर अकीदतमंद उपस्थित रहे।

वर्ष 2025 की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन

-84,845 प्रकरणों का निस्तारण कर 10,80,54,549 रूपए के अवार्ड पारित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के तत्वावधान में शनिवार को जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर न्याय क्षेत्र के न्यायालयों तथा तालुका विधिक सेवा समितियों गंगापुर सिटी, खण्डार, बौंली, बामनवास एवं न्यायालय चौथ का बरवाड़ा में इस वर्ष की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी राजीनामे से प्रकरणों के निस्तारण हेतु जिले में कुल 10 बैंचो का गठन किया गया।

जिनमें जिला मुख्यालय पर न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, स्थायी लोक अदालत के मामलों के निस्तारण हेतु गठित बैंच की अध्यक्षता देवेन्द्र दीक्षित जिला एवं सेशन न्यायाधीश सवाई माधोपुर द्वारा तथा जिला एवं सेशन न्यायालय, पारिवारिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, एससी/एसटी न्यायालय, अपर जिला एवं सेशन न्यायालय के मामलों के निस्तारण हेतु गठित बैंच की अध्यक्षता असीम कुलश्रेष्ठ, विशिष्ट न्यायाधीश एससी/एसटी न्यायालय द्वारा तथा न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, किशोर न्याय बोर्ड, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-01 एवं संख्या-02 सवाई माधोपुर के मामलों हेतु गठित बैंच की अध्यक्षता गार्गी चौधरी अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सवाई माधोपुर द्वारा तथा राजस्व व प्री-लिटीगेशन स्तर के मामलों के निस्तारण हेतु गठित बैंच की अध्यक्षता समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा की गई। बैंचों द्वारा सभी प्रकार के राजीनामा योग्य आपराधिक मामलें, पारिवारिक मामले, सिविल प्रकृति के मामलें, चैक अनादरण प्रकरण, बैंकों के ऋण वसूली मामलें, राजस्व से सबंधित मामलों एवं सभी प्रकार के राजीनामा योग्य मामलों की सुनवाई कर उभय पक्षकारों के मध्य समझाईश कर आपसी राजीनामें के माध्यम से प्रकरणों का निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में सवाई माधोपुर न्यायक्षेत्र में लम्बित कुल 24,071 प्रकरणों में से 19,095 प्रकरणों का निस्तारण कर 6,82,47,092 रूपए के अवार्ड पारित किए गए तथा प्री-लिटिगेशन के कुल 71,314 प्रकरणों में से 65,750 प्रकरणों का निस्तारण कर 3,98,07,457 रूपए के अवार्ड पारित किये गये। इस प्रकार कुल 95,385 प्रकरणों में से 84,845 प्रकरणों का निस्तारण कर 10,80,54,549 रूपए (अक्षरे दस करोड़ अस्सी लाख चौवन हजार पांच सौ उनचास रूपये) के अवार्ड पारित किये गये।

जिला मुख्यालय पर प्री-लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों के लिये गठित बैंच की अध्यक्ष समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा सदस्य दामोदर सिंह, उपखण्ड अधिकारी सवाई माधोपुर (अति. चार्ज) एवं पैनल अधिवक्ता चिरंजीलाल बैरवा द्वारा भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा एवं अन्य बैंकों तथा जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड एवं अन्य वितीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं पक्षकारों के मध्य समझाईश कर सैकडों प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

प्री-लिटिगेशन बैंच द्वारा धनवसूली के 980 में से 141 प्रकरणों, बिजली, पानी, मोबाईल, क्रेडिट कार्ड एवं अन्य बिलों के भुगतान से संबंधित 1750 में से 1748 प्रकरणों, राजस्व विवाद के 3711 में से 1012 प्रकरणों एवं अन्य राजीनामा योग्य प्रकरणों के 52,553 में से 50,535 प्रकरणों का निस्तारण किया गया तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों हेतु गठित बैंचों द्वारा राजीनामा योग्य फौजदारी मामलों के 1350 प्रकरणों में से 1309 प्रकरणों एवं सिविल मामलों के 261 में से 116 मामलों का निस्तारण किया गया।

बारिश के बाद हेरिटेज निगम ने की फॉगिंग कार्य की तेज गति

-हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने दिए निर्देश, वार्ड की कॉलोनियों में गहनता से चलाया जाए फॉगिंग अभियान

-हैरिटेज निगम की स्वास्थ्य शाखा मलेरिया द्वारा पहला चरण पूरा, दूसरे चरण में 18 सितंबर तक किया जाएगा फॉगिंग कार्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बारिश के बाद आमजन को बीमारियों से बचाने के लिए हेरिटेज निगम प्रशासन युद्धस्तर पर फॉगिंग अभियान चला रहा है। हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल के निर्देश के बाद निगम की स्वास्थ्य शाखा ने दूसरे चरण के तहत अब तक तकरीबन 80 वार्डो में फोगिंग कार्य करा दिया है। फॉगिंग कार्य हूपर के माध्यम से वार्डो की कालोनियों ने किया जा रहा है। स्वास्थ्य शाखा की मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सोनिया अग्रवाल के नेतृत्व में टीम घर घर जाकर आमजन से मच्छर जनित बीमारियो से बचाव के तरीके भी बता रही है। इसके अलावा वार्ड के स्वास्थ्य निरीक्षक भी कालोनियों में जलभराव वाली जगहों पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करा सफाई व्यवस्था बना रहे है।

पहले चरण में 20 दिन चला अभियान, बारिश के बाद किया दूसरा चरण शुरू-
निगम हेरिटेज की मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सोनिया अग्रवाल ने बताया कि हेरिटेज निगम की ओर से कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का पहला चरण 28 जुलाई को शुरू किया गया था, इस दौरान प्रतिदिन सुबह और शाम की दो पारियों में छःवार्डो को कवर किया गया था। जिसमें जल भराव वाली जगहों पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया, जिससे कि मच्छर का लार्वा नहीं पनपे। इसके अब बारिश के बाद मौसमी जनित बीमारियों के प्रकोप से आमजन को बचाने के लिए हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल के निर्देश पर दूसरा चरण 22 अगस्त से शुरू किया जा चुका है, अब तक तकरीबन 80 वार्डो को फॉगिंग कार्य से कवर किया जा चुका है। मलेरिया कर्मचारी मोहम्मद साबिर ने बताया कि इसके लिए जन प्रतिनिधि के सहयोग से पूरे वार्ड में पोर्टेबल फॉगिंग मशीन से फॉगिंग कार्य किया जा रहा है साथ ही वार्ड के स्वास्थ्य निरीक्षक की मॉनिटरिंग में भी यह कार्य किया जा रहा है। जिसकी रिपोर्ट अधिकारियों को प्रतिदिन प्रस्तुत की जाती है। इसके अलावा आमजन की आवश्यकता अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर भी गंदगी होने या गंदा पानी इकट्ठा होने पर फॉगिंग कराई जा रही है।

खाकीशाह बाबा का 828 वां उर्स सम्पन्न

-चद्दर के जुलूस में उमड़ी आस्था की गंगा

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बें के खाकिशाह मोहल्ला में विराजमान हिन्द मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत खाकीशाह बाबा का 828 वां एक दिवसीय वार्षिक उर्स 14 सितंबर रविवार को आस्था और अकीदत में आयोजित होगा। दरगाह कमेटी की बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। डॉक्टर शकील शाह ने बताया कि रविवार की सुबह 8 बजे कुरान ख्वानी के साथ उर्स का आगाज होगा। इसी के साथ मे रंग बिरंगे परिधानों में सज संवर कर विभिन्न वाहनों पर सवार होकर जायरिनों का आना शुरू हो जाएगा। इसके बाद दोपहर जौहर की नमाज के बाद होद पाल से चादर जुलूस रवाना होगा, जो कि गांधी चौक बाजार से गुजरता हुआ दरगाह शरीफ पहुंचेगा। इस

दौरान बाबा को चाहने वाले हिन्द मुस्लिम लोग जुलूस पर पुष्पवर्षा करेंगे। दरगाह प्रांगण में जुलूस जाकर बाबा के आस्ताने पर चादर चढ़ाई जाएगी। इस दौरान भारत देश की सलामती की दुआएं की जाएगी। दरगाह परिसर में आकर्षक व मनमोहक विधुत सजावट की जाएगी। दूर-दराज से आने वाले जायरीन के लिए दरगाह कमेटी और प्रशासन ने व्यवस्थाओं की रूपरेखा तय की है। कस्बे में सुरक्षा और यातायात के विशेष इंतजाम रहेंगे। खाकीशाह बाबा के उर्स को लेकर अकीदतमंदों में जबरदस्त उत्साह है और नगर में शुक्रवार से ही चहल-पहल शुरू हो गई है। शाम को 6 बजे बाद लंगर वितरण किया जाएगा जिसमे बाबा को चाहने वाले अकीदतमंद पंगत प्रसादी लेंगे। रात्रि 10 बजे बाद में महफ़िल ए शमां का आयोजन किया जाएगा जिसमे बॉम्बे के सलीम राजा द्वारा बाबा की मान मनुहार की जाएगी। इस दौरान निजामुद्दीन काजी सदर, जम्मू शाह (जमील) खादिम, उस्मान शाह सदर, लियाकत शाह सदर आदि उर्स की रूपरेखा देख रहे है।

नगर निगम जयपुर के चुनावों की चर्चा शुरू

- वार्डों में पार्षद उम्मीदवार अभी से कर रहे तैयारी

- वार्डों के पुनर्गठन ने मौजूदा पार्षदों को मुश्किल में डाला

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर नगर निगम चुनावों की चर्चा शुरू हो गई है। नवंबर 2025 में जयपुर के दोनों नगर निगमों हेरिटेज नगर निगम और ग्रेटर नगर निगम का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। इसी कारण से नगर निगम में पार्षद बनने वाले उम्मीदवारों ने वार्डों में वहां के निवासियों से मिलना जुलना शुरू कर दिया है। मौजूदा पार्षद भी अपनी-अपनी राजनीतिक पार्टियों से टिकट फिर से मिलने का जुगाड़ लगाने लगे हैं तो दूसरे उम्मीदवार भी टिकट के लिए कोशिश शुरू कर चुके हैं। नगर निगम के कई पार्षदों ने वार्डों में अच्छे विकास करवाए हैं जिनके जनता भी काफी प्रशंसा करती है। कई पार्षद कमीशन खोरी और वार्ड का विकास नहीं करवाने को लेकर बदनाम हो रहे हैं। कुछ निर्दलीय पार्षद जिन्होंने भाजपा कांग्रेस उम्मीदवारों को हराकर जीत दर्ज की थी फिर से चुनाव में उतरने की कोशिश में है। जयपुर में पिछली कांग्रेस सरकार में वार्डों का आकार काफी कम कर दिया था। इस कारण से जयपुर नगर निगम हेरिटेज में 100 वार्ड और जयपुर नगर निगम ग्रेटर में 150 वार्ड हो गए थे। ज्यादा पार्षद होने के कारण जयपुर का विकास कम हुआ और राजनीति ज्यादा हुई।

नवंबर 2025 या फिर फरवरी 2026 में हो सकते हैं पार्षद चुनाव-

भाजपा सरकार ने इस बार फिर से वार्डों का आकार बड़ा कर दिया है और जयपुर के दोनों नगर निगमों को मिलाकर एक नगर निगम बनाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। माना जा रहा है कि जयपुर में कुल 150 वार्ड बनाए जाएंगे और एक ही नगर निगम होगा। नगर निगम वार्डों का आकार और मतदाता बढ़ने से ज्यादातर वर्तमान नगर निगम पार्षदों को फिर से जीतकर आने में काफी मुश्किल होगी। नगर निगम चुनाव में जनता के बीच सबसे रोचक वातावरण बन जाता है। नगर निगम चुनाव पार्टी मुद्दों से ज्यादा सड़क, सफाई, पानी और बिजली जैसे मुद्दों पर लड़ा जाता है। कई वार्डों में जाति एवं धार्मिक आधार पर चुनाव में हार जीत देखने को मिल जाती है ।

मुस्लिम क्षेत्रों में चुनाव -

जयपुर के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में चुनाव विकास के मुद्दों पर नहीं होता है। यही कारण है कि इन क्षेत्रों में पार्षद सफाई सीवर, सड़क, पानी, बिजली एवं स्कूलों के विकास पर ध्यान नहीं देता है। ज्यादातर आबादी राजनीतिक रूप से अज्ञान है जो पैसे लेकर या अन्य लालच में अपना वोट देते हैं। वार्डों में जातियों का बोलबाला भी होता है। ऐसी स्थिति में अयोग्य लोग भी जाति का सहारा लेकर पार्षद बन जाते है।

चारदिवारी में या मुस्लिम क्षेत्रों में भ्रष्टाचार अन्य क्षेत्रों से ज्यादा है। यहां नगर निगम अधिकारी कर्मचारी बिना कमीशन के काम नहीं करना चाहते हैं। जनता में जागरूकता नहीं होने के कारण क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण और सफाई की शिकायत लिखित में नहीं की जाती है। इसी कारण पार्षद और नगर निगम कर्मचारी बिना काम किए ही सरकार से मोटी सैलरी लेते हैं। वर्तमान में मुस्लिम क्षेत्रों, मोहल्लों में बड़े-बड़े चोंक खत्म हो गए, चौड़े रास्ते गलियों में बदल गए और सड़कों के बीच में कचरा डिपो बन गए हैं। यदि जनता निष्पक्ष होकर पार्षद जीताकर लाए तो सफाई, सड़क और पानी, सरकारी स्कूलों की समस्या से काफी हद तक निजात मिल सकती है।

अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को शीघ्र मिलेगी राहत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विगत दिनों हुई अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि फसल खराबे से प्रभावित किसानों को हर संभव राहत शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री के इन निर्देशों की अनुपालना में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने प्रशासनिक अधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के गांवों में जाकर फसल नुकसान का जायजा लेने के निर्देश जारी किए। कलक्टर डॉ. सोनी के निर्देशों पर शनिवार को उपखंड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों ने वर्षा प्रभावित गांवों का दौरा किया। इस दौरान अधिकारियों ने खेतों में जाकर किसानों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार मुआवजा दिलवाने की संपूर्ण प्रक्रिया नियमों के तहत प्राथमिकता से पूर्ण की जाएगी,

जिससे प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत मिल सके। अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों में संबंधित हल्कों के पटवारियों के साथ मिलकर फसल नुकसान का मौके पर ही आकलन भी किया। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे निर्धारित समयावधि में बीमा अथवा मुआवजे से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे शीघ्र ही राहत वितरण की कार्रवाई प्रारम्भ की जा सके। अधिकारियों ने किसानों एवं ग्रामीणों को संवाद करते हुए आश्वस्त किया कि राज्य सरकार किसानों के साथ हर परिस्थिति में खड़ी है और अतिवृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई हेतु राहत कार्यों को प्राथमिकता से आगे बढ़ाया जाएगा।

हादसों में झुलसी महिलाओं के पुनर्वास के लिए शुरू हुआ "द बर्न सर्वाइवर्स मिशन"

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मैहर फाउंडेशन ने समाज सेवा की

दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए हादसों में झुलसी महिलाओं को नया जीवन देने के उद्देश्य से "द बर्न सर्वाइवर्स मिशन" की शुरुआत की है। इस मुहिम का पोस्टर विमोचन रविवार को जयपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एम. डी. चोपदार ने किया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सराहना करते हुए कहा कि "द बर्न सर्वाइवर्स मिशन" झुलसी ज़िंदगियों में उम्मीद की नई रोशनी जगाएगा। वहीं चोपदार ने कहा कि मैहर फाउंडेशन का यह अभियान केवल पीड़ितों की मदद भर नहीं है, बल्कि पूरे समाज को जागरूक करने का कार्य करेगा। फाउंडेशन की संस्थापक परवीन खान ने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य झुलसी महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और मानसिक सहयोग देकर समाज में सम्मानजनक जीवन दिलाना है। इस मौके पर फाउंडेशन की टीम के सदस्य इमरान खान, अब्दुल्ला खान, आदिल खान और ताहिर खान भी मौजूद रहे। कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं ने इस मुहिम को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर को बार काउंसिल ऑफ राजस्थान से राजस्थान मान्यता मिली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर

के द्वारा बार काउंसिल आफ राजस्थान में राजस्थान एडवोकेट वेलफेयर फंड 1987 के तहत रिकॉग्निशन एंड रजिस्ट्रेशन के लिए भेजे गए प्रार्थना पत्र को बार काउंसिल ऑफ राजस्थान की आज दिनांक 13 सितम्बर 2025 के जनरल हाउस मीटिंग में राजस्थान एडवोकेट वेलफेयर फंड 1987 की धारा 14 के चैप्टर 4th के तहत रिकॉग्निशन एंड रजिस्ट्रेशन किया जाकर मान्यता दी गई। दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर के समस्त पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने बार काउंसिल आफ राजस्थान के समस्त सदस्यों व चैयरमेन भुवनेश शर्मा अतिरिक्त महाधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर तथा सीनियर एडवोकेट सैयद शाहिद हसन पूर्व चेयरमैन बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान का आभार व्यक्त किया। यह जानकारी ज्ञातव्यह की दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर के अध्यक्ष एडवोकेट वाहिद नकवी और सचिव एडवोकेट सिराजुद्दीन बादशाह है।

मदरसों एवं अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में हिंदी दिवस मनाया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्धा के निर्देशानुसार शनिवार को राजधानी जयपुर के

सभी मदरसों एवं अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मदरसो एवं आवासीय विद्यालय में शिक्षकों ने विधार्थियो को हिंदी भाषा के इतिहास बताते हुए छात्रों के जीवन में इसकी आवश्यकता एवं महत्व बताए। वही मदरसों में हिंदी भाषा में निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के अन्य गतिविधियां भी आयोजित की गई। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के निर्देशानुसार हिंदी दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर मदरसे के छात्र-छात्राओं हिंदी में कविता और कहानी सुनाई और सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई। पांचवीं कक्षा की छात्रा इल्मा ने हिंदी दिवस पर भाषण दिया। वहीं तीसरी से पांचवी के छात्र छात्राओं के लिए कविता, निबंध और नारा लेखन प्रतियोगिता करवाई गई। छात्राओं ने हिंदी दिवस पर कविता भी सुनाई। शिक्षा अनुदेशक कुलदीप सिंह राजावत ने बताया कि भारत की पहचान विदेशों में हिन्दी से होती है हिन्दस्तान के हर हिस्से में हिन्दी बोली जाती है उन्होंने कहा कि हिन्दी का प्रकाश सम्पूर्ण देश में फैलाना चाहिए। इस बीच मदरसे एवं आवसीय विद्यालय के बच्चे और समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे। "इस अवसर पर हमने विद्यार्थियों को हिंदी का शुद्ध उच्चारण एवं शुद्ध लेखन पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही हिंदी पढ़ो, हिंदी लिखो, हिंदी बोलो एवं हिंदी पर गर्व करो का नारा भी दिया। गुलामी की मानसिकता को दूर करने के लिए हमें दैनिक जीवन में हिंदी भाषा का प्रयोग करना चाहिए। इससे एक ओर स्व का भाव जागृत होंता हैं जिससे अपनी मातृभाषा हिंदी के प्रति स्वाभिमान की भावना विकसित होती हैं। वहीं दूसरी ओर अपनी मातृभाषा के प्रति सम्मान एवं गर्व का भाव भी विकसित होता हैं।"

हेरीटेज नगर निगम वार्ड 12 में सीवर का कहर, जनता बेहाल

-जनता की पीड़ा पर मौन पार्षद, गुस्से में लोग

-सड़क बनी गंदे नाले की धारा, सीवर जाम से जीवन थमा, वार्ड में हाहाकार, व्यापारियों का रोष उफान पर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर का दिल कहे जाने वाला हवामहल क्षेत्र इन दिनों बदहाल हालातों से

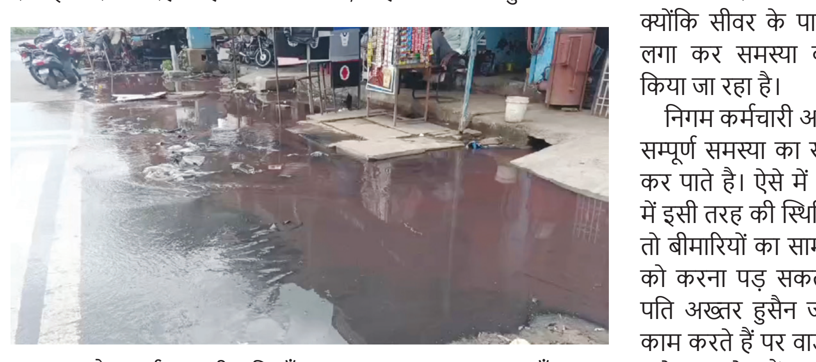

जूझ रहा है। वार्ड 12 की गलियाँ सड़क नहीं, बल्कि दरिया का रूप ले चुकी हैं। जगह–जगह सीवर का गंदा पानी बह रहा है। रामगढ़ मोड़ से लेकर कर्बला क्षेत्र, कृष्णा कॉलोनी और बेनीवाल कांटा तक हर तरफ़ गंदगी का सैलाब पसरा हुआ है। फुटकर व्यापारी हों या आमजन—हर कोई नाराज़ और बेहाल है। लोगों का कहना है— "ये हालात सिर्फ बारिश में नहीं, बल्कि हमेशा से ऐसे ही बने रहते हैं। सालों से सीवर जाम है, लेकिन समाधान कहीं नज़र नहीं आता।ऐसा नज़ारा नगर निगम हेरीटेज वार्ड 12 में दिखाई दिया। " स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधि पार्षद वार्ड संख्या 12, मोहज्जम अख्तर हुसैन पर भी जमकर गुस्सा उतारा। पाँच साल पूरे हो गए पार्षद मोहज्जम अख्तर हुसैन को चुने हुए, लेकिन नतीजा वही आश्वासन पर आश्वासन। जनता की पीड़ा पर जनप्रतिनिधि मौन, और लोगों का सब्र अब टूटने की कगार पर।

व्यापारी बोले— "दुकानें चलाना मुश्किल है, ग्राहक आना बंद हो गए, लेकिन हमारी सुनवाई कहीं नहीं हो रही।" नतीजा— वार्ड 12 में सड़क बनी नाले की धारा, जीवन थम गया सीवर जाम से, और जनता की जुबां पर सिर्फ एक ही सवाल— "आख़िर हमारी सुनवाई कब होगी?" सीवर का ढक्कन खुला,बहता पानी दुर्घटना को न्योता देता नजर आ रहा है। क्योंकि सीवर के पास बैरिकेट्स लगा कर समस्या का समाधान किया जा रहा है।

निगम कर्मचारी आते है, लेकिन सम्पूर्ण समस्या का समाधान नहीं कर पाते है। ऐसे में अगर इलाके में इसी तरह की स्थिति बनी रहेगी तो बीमारियों का सामना आमजन को करना पड़ सकता है। पार्षद पति अख्तर हुसैन जो पार्षद का काम करते हैं पर वार्ड वासियों के अनेक आरोप हैं। पार्षद वार्ड के गैर-मुस्लिम क्षेत्रों में सफाई कार्यों और विकास कार्यों में पक्षपात करते हैं। कई लोग पार्षद पति पर भ्रष्टाचार और लालच के आरोप लगाते हैं। कई लोगों ने कहा है कि पार्षद ने एक होटल मालिक की मिली भगत करके गंदे नाले की दिशा ही बदलवा दी। कांग्रेस पार्टी ने उनकी संदिग्ध गतिविधियों के कारण उनको पार्टी का शिविर नहीं दिया था। लेकिन ट्रायंगल फाइट में चुनाव में फायदा मिल गया था।

जयपुर हेरिटेज कांग्रेस सेवा दल का नया अध्यक्ष बने अशफाक अहमद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय

अध्यक्ष लालजी देसाई ने जयपुर हेरिटेज (जयपुर शहर) कांग्रेस सेवा दल का नया मुख्य संगठक (अध्यक्ष) नियुक्त किया है। अब यह जिम्मेदारी अशफाक अहमद को दी गई है। उन्होंने यह पद तत्काल प्रभाव से जाकिर बुलंद की जगह संभाला है। अशफाक अहमद पिछले दस वर्षों से कांग्रेस संगठन में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। नियुक्ति के बाद अशफ़ाक अहमद ने कहा कि आल इंडिया कांग्रेस सेवा दल ने जो विश्वास जताते हुए उन्हें जयपुर शहर अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी सौंपी है, उस पर वे खरे उतरने का प्रयास करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वे सेवा दल की विचारधारा और कांग्रेस संगठन के संदेश को जयपुर शहर की हर गली-मोहल्ले तक पहुँचाने का कार्य करेंगेअशफाक अहमद ने आल इंडिया कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत का आभार जताया।

ज्यूस में नशीला पदार्थ मिलाकर बसों में सवारियों के साथ करता था लूटपाट

-पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर की जहर खुरानी के मामले में त्वरित कार्यवाही

-महज 24 घंटों में वारदात का खुलासा कर मुल्ज़िम शकील को किया गिरफतार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सजीव नैन, पुलिस उपायुक्त, जयपुर पूर्व ने बताया की पुलिस थाना

ट्रांसपोर्टनगर जयुपर पूर्व पर 11.9.2025 को परिवादी किशन सिंह पुत्र रतिसिंह निवासी मकान 4 कुण्ड रोड द्वारकापुरी जयंसिपुरा खोर जयपुर ने उपस्थित थाना होकर रिपोर्ट पेश कि 24.08.2025 को रात्रि में ट्रांसपोर्टनगर सर्किल से बस में बैठकर अपनी पत्नी प्रियका के साथ आगरा जा रहा था। दो व्यक्तियो द्वारा ज्यूस में नशीला पदार्थ मिलाकर हम दोनो को पिलाकर बेहोश होने पर हमारे 15000 हजार रुपये और सोने का मंगलसूत्र, चादी की पायजेब, सोने के कानो के झुमके व सोने की एक कान की बाली तथा चादी की चैन चोरी कर ले गये और हमे बेहोश हालात मे मरने हेतु बस में छोडकर चले गये। हमारे जीवन को खतरे में डाल दिया। हमे 3 से 4 दिन बाद आगरा के अस्पताल में होश आने पर 11-09-2025 को थाने पर रिपोर्ट पेश की। आदि रिपोर्ट पर मुकदमा न. 216/2025 धारा 123,125,134 बीएनएस 11.9.2025 को दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। प्रकरण की गम्भीरता को मध्यनजर रखते हुये आशाराम चौधरी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जयपुर पूर्व के नेतृत्व में, सुश्री लक्ष्मी सुथार सहायक पुलिस आयुक्त आदर्श नगर के निकट सुपरविजन मे, अरुण कुमार पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी ट्रांसपोर्ट नगर की थाना स्तर पर गठित टीम की गयी तथा घटना के सम्बंध में घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज देखे गये। ट्रांसपोर्ट नगर से गुजरने वाली बसों के चालको व परिचालको से पूछताछ की गयी। दौराने तलाश 12.09.2025 को एक संदिग्ध शक्स शकील पुत्र हेतम अहमद जाति मुसलमान उम्र 35 साल निवासी गांव बरालोकपुर थाना चौबिया जिला इटावा उत्तरप्रदेश को रोटरी सर्किल के पास राजस्थान रोडवेज बस डिपो के यात्री विश्राम स्थल में लगी कुर्सियो पर बैठा हुआ मिला। जिसकी तलाशी ली गयी तो उसके पास मिले बैग में मुकदमा हाजा के परिवादी किशन सिंह तथा उसकी पत्नि प्रियंका के आधार कार्ड मिले तथा एक प्लास्टिक के डिब्बे मे जूस के पाउच तथा एक पाउच मे नींद की गोलिया बरामद हुयी जिससे गहनता से पूछताछ की गयी तो रात्रि के समय बस में सवार होकर आगरा जाने वाली सवारियो को जूस में नशीला पदार्थ पिलाकर उनके साथ लूटपाट करना कबूल किया तथा थाना हाजा के मुकदमा नम्बर 216/2025 के परिवादी तथा उनकी पत्नि के साथ भी रात्रि मे मैने तथा मेरे साथी संजय जाटव द्वारा घटना कारित करना तथा उनके नकद रुपये और सोने चांदी के आभूषण चोरी करना कबूल किया। जिसे बाद अनुसंधान प्रकरण हाजा में गिरफ्तार किया जाकर पेश न्यायालय किया जाकर पीसी रिमाण्ड प्राप्त किया गया। मुल्जिम द्वारा व अपने साथियो के साथ ट्रांसपोर्ट नगर से लेकर आगरा तक दर्जनो वारदात करना कबूल किया है। मुल्जिम से माल मशरुका बरामदगी व साथी संजय जाटव तथा अन्य साथियो की पतारसी के प्रयास जारी है।

हेरिटेज निगम पशु प्रबंधन शाखा ने बेसहारा गौ वंश को भेजा हिंगोनिया गौशाला

-गौ माफिया के लिए पुलिस आयुक्तालय को निगम लिखेगा पत्र

-कार्रवाई में बाधा डालने वालों को चिन्हित कर की जाएगी कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम हेरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने रविवार को सड़क पर विचरण कर रही बेसहारा 10 गौ वंश को पकड़ हिंगोनिया गोशाला में पहुंचा दिया। इस संबंध में हेरिटेज निगम की पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि आमजन की शिकायत पर शाखा की ओर से कार्रवाई की गई, जिसमें सोडाला, रामनगर, सिविल इलाके में विचरण कर रही बेसहारा 10 गौ वंश को पकड़ कर हिंगोनिया गोशाला में पहुंचा दिया। सड़क पर विचरण रही बेसहारा गौ वंश से यातायात परिवहन

में समस्या आती है, दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। ऐसे में शिकायत के आधार पर रविवार को दस्ते ने सोडाला, सिविल सेवा, जमना नगर, राम नगर इलाके में अभियान चलाया और 10 गौ वंश को पकड़ कर हिंगोनिया गौशाला में पहुंचाया। डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि वहीं, कार्रवाई के दौरान गौ माफिया कई बार बाधा डालने का काम करते है। ऐसे लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। इनके खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस आयुक्तालय को पत्र लिखकर कार्रवाई के लिए कहा जाएगा। जिससे कि निगम कार्रवाई में परेशानी नहीं हों।

बालवाहिनी वाहनों के विरुद्ध यातायात पुलिस ने अभियान के तहत की 111 कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने स्कूली बच्चों के परिवहन के दौरान सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग के साथ मिलकर जयपुर आयुक्तालय के क्षेत्राधिकार में अनफिट एवं यातायात नियमों की अवहेलना करने वाली बालवाहिनियों के विरूद्ध संयुक्त जॉच अभियान चलाने के निर्देश दिये गये है। इस कडी में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात एवं प्रशासन, योगेश दाधीच के नेतृत्व एवं पुलिस उपायुक्त, यातायात सुमित मेहरडा के निर्देशन में छात्र-छात्राओं के सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सुलभ वाहन व्यवस्था उपलब्ध कराने की दृष्टि से यातायात पुलिस, परिवहन विभाग द्वारा नियम विरूद्ध चलने वाली बालवाहिनियों के चालकों की 1 सितम्बर 2025 से 7 सितम्बर 2025 तक अभियान चलाया जाकर समझाईश की गई। 8 सितम्बर 2025 से 13 सितम्बर 2025 तक यातायात पुलिस, परिवहन विभाग द्वारा सघन संयुक्त जॉच अभियान चलाया जाकर बालवाहिनियों द्वारा किये जा रहे उल्लंघन जैसे परमिट की शर्तों के उल्लंघन/ बालवाहिनी योजना की अनुमति शर्तों का उल्लंघन, बिना वर्दी के वाहन संचालन, सीट बेल्ट, पायदान, नो-पार्किंग आदि उल्लंघन / अनियमितता पाई जाने वाली कुल 111 बालवाहिनियों के खिलाफ प्रवर्तन की कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही निरंतर जारी है। यातायात पुलिस व परिवहन विभाग की टीमों द्वारा 15 सितम्बर 2025 से उल्लघंनकर्ता वाहनो के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करते हुये नियमानुसार जब्ती की कार्यवाही की जायेगी।

नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, इसी संदेश के साथ नशा व तंबाकू मुक्ति अभियान की शुरुआत शनिवार को होटल ताहा, सदभावना नगर खो -नागौरियान में की गई। इस अभियान के तहत जो भी व्यक्ति नशे की लत से बाहर आना चाहता है, उन्हें परामर्श के साथ-साथ निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।अभियान की अगुवाई सोहेल खान नागोरी व उनकी टीम ने की। इस अवसर पर जितेंद्र मीणा (कानोता), हाजी अनीस भाटी, सिराज खान नागोरी, रहिस भाटी हाफ़िज़ शरीफ खान नागोरी, डॉ. लईक, साहिल बाबा, जुनेद खान, मुन्ना खान, हाफ़िज़ अतीक, शाहरुख खान, अतुल खोलवाल, शौर्यवीर सिंह, नीलू मीणा, विकास शर्मा, ताहा खान नागोरी, यासिद खान, वईद खान, इरफ़ान खान, रफीक बाला, सलमान खान, वसीम खान, इब्राहिम खान, अकरम खान व साबिर खान, सहबाज खान सहित अनेक लोग मौजूद रहे। शिविर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने नशामुक्ति की शपथ ली। आयोजकों ने बताया कि आने वाले दिनों में यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि समाज को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य पूरा हो सके।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

अमेरिका अब भरोसे वाला देश नहीं रहा!

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका से दूरी बनाना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आभास होने लगा था कि अमेरिका भरोसेमंद देश नहीं हो सकता है? एक तरफ अमेरिका दोस्ती की बात करता है और दूसरी तरफ अपने स्वार्थ और अपनी बातें मनमाने के लिए काम करता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का तो कहना ही अलग है। डोनाल्ड ट्रंप विश्व के किसी भी राष्ट्रध्यक्ष का सम्मान नहीं करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन किसी भी देश एवं उसके राष्ट्रध्यक्ष को धमकाते रहते हैं। लेकिन जब किसी देश को अमेरिका की जरूरत होती है तो अमेरिका उस देश एवं उसके शासनाध्यक्ष को ब्लैकमेल करने से नहीं चूकते है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उसके हिसाब से चलने और उसकी हर बात मानने के लिए धमकाया, ब्लैकमेल करने की कोशिश की। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दबाव में नहीं आए। अमेरिका भारत के दुश्मन देश पाकिस्तान का हमेशा सपोर्टर रहा है। विश्व में अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की बनती जा रही है। ऐसी ही घटना 9 सितंबर को कतर से आई है। कतर और अमेरिका के बीच अरबों डॉलर का सुरक्षा समझौता है। कतर पर इजरायल ने लड़ाकू विमानो से आक्रमण कर दिया। अमेरिका ने इजरायल के आक्रमण का कोई जवाब नहीं दिया। जबकि अमेरिका कतर से अरबो डॉलर उसकी सुरक्षा की एवज में लेता है। कतर के साथ अमेरिका का 2014 डिफेंस कॉरपोरेशन एग्रीमेंट और 2025 में THAAD मिसाइल सिस्टम सहित 42 बिलीयन डॉलर का समझौता है। इजराइल के आक्रमण को नहीं रोकना कतर के साथ अमेरिका की गद्दारी है। अमेरिका ने अनेक देशों के साथ धोखा दिया है। अमेरिका की ताकत के सामने कोई भी देशी उसको जवाब देने की हिम्मत नहीं कर पाता है। चीन, रूस, ईरान और उत्तरी कोरिया जरूर अमेरिका की आंख में आंख डालकर बात करते हैं। यही कारण है कि विश्व के अनेक देश अमेरिका से परेशान होकर चीन, रूस गुट की तरफ आते जा रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी आक्रामक ट्रैफिक नीतियों के कारण विश्व के ज्यादातर देशों को परेशान कर रखा है। विश्व में सभी देश अमेरिका से परेशान दिखाई दे रहे हैं। भारत को भी अमेरिकी टैरिफ का दबाव बनाकर झुकाने की कोशिश की गई। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति की कोई चिंता नहीं की और भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के दुश्मन देश चीन और रूस से दोस्ती बढ़ा ली। रूस से सस्ता पेट्रोल खरीदना जारी रखा और चीन से सस्ता आयात शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कदम भारत को अमेरिका से मिलने वाले बड़े धोखे से बचाने में बड़ा कारगर सिद्ध हो सकता है। क्योंकि अमेरिका निश्चित रूप से भारत को ब्लैकमेल और धोखा देने वाला देश है।

मुहम्मद हिदायतुल्लाह, भारत के पहले मुस्लिम मुख्य न्यायाधीश

मुहम्मद हिदायतुल्लाह (अंग्रेज़ी: Mohammad Hidayatullah, जन्म: 17 दिसम्बर 1905; मृत्यु: 18 सितम्बर 1992) भारत के पहले मुस्लिम मुख्य न्यायाधीश थे। मुहम्मद हिदायतुल्लाह को भारत के प्रथम कार्यवाहक राष्ट्रपति कहना ज़्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि यह भारत की संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार निर्वाचित राष्ट्रपति नहीं थे। उन्होंने दो अवसरों पर भारत के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में भी कार्यभार संभाला था। इसके साथ ही वो एक पूरे कार्यकाल के लिए भारत के छठे उपराष्ट्रपति भी रहे।

जीवन परिचय

मुहम्मद हिदायतुल्लाह के पुरखे मूलत: बनारस के रहने वाले थे जिनकी गिनती शिक्षित विद्वानों में होती थी। मुहम्मद हिदायतुल्लाह का जन्म 17 दिसम्बर 1905 को नागपुर (महाराष्ट्र) में हुआ था। इनके दादा श्री मुंशी कुदरतुल्लाह बनारस में वकील थे जबकि इनके पिता ख़ान बहादुर हाफ़िज विलायतुल्लाह आई.एस.ओ. मजिस्ट्रेट मुख्यालय में तैनात थे। इनके पिता काफ़ी प्रतिभाशाली थे और प्रत्येक शैक्षिक इम्तहान में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होते थे। इनके पिता हाफ़िज विलायतुल्लाह 1928 में भाण्डरा से डिप्टी कमिश्नर एवं डिस्ट्रिक्ट के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। मुहम्मद हिदायतुल्लाह के दो भाई और एक बहन थी। उनमें सबसे छोटे यही थे। मुहम्मद हिदायतुल्लाह की माता का नाम मुहम्मदी बेगम था जिनका ताल्लुक मध्य प्रदेश के एक धार्मिक परिवार से था, जो हंदिया में निवास करता था। मुहम्मद हिदायतुल्लाह की माता का निधन 31 जुलाई, 1937 को हुआ था। सरकारी सेवा में रहते हुए ब्रिटिश सरकार ने श्री हिदायतुल्लाह के पिता को ख़ान बहादुर की उपाधि, केसरी हिन्द पदक, भारतीय सेवा सम्मान और सेंट जोंस एम्बुलेंस का बैज प्रदान किया था। इनके पिता अखिल भारतीय स्तर के कवि भी थे और मात्र 9 वर्ष की उम्र में ही इन्हें विद्वत्ता की प्रतीक मुस्लिम पदवी हाफ़िज की प्राप्ति हो गई थी। उन्होंने फ़ारसी एवं उर्दू भाषा में कविताएँ लिखी। मुंबई के कुतुब प्रकाशन ने इनकी कविताओं का संग्रह 'सोज-ए-गुदाज' के नाम से प्रकाशित किया था। इनके पिता की दूसरी पुस्तक 'तामीर-ए-हयात' शीर्षक से प्रकाशित हुई, जो गंभीर दार्शनिक पद्य रूप में थी। हिदायतुल्लाह के पिता 6 वर्षों तक विधायिका परिषद के सदस्य भी रहे। मुहम्मद हिदायतुल्लाह के पिता का निधन नवम्बर, 1949 को हुआ था।

शिक्षा

हिदायतुल्लाह का परिवार शिक्षा से रोशन था और उसके महत्त्व को भी समझता था। इस कारण हिदायतुल्लाह एवं उनके दोनों भाई इकरामुल्लाह और अहमदुल्लाह को भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का मौक़ा शुरू से ही मिला। उस समय उच्च कोटि के स्कूलों में ही गणवेश पद्धति थी। हिदायतुल्लाह ने जीवन के 6 आरंभिक वर्ष नागपुर में ही व्यतीत किए। 1921 में यह मैट्रिक परीक्षा हेतु योग्यता अर्जित कर चुके थे। लेकिन इन्हें 1921 में मैट्रिक परीक्षा में बैठने का अवसर इस कारण नहीं प्राप्त हुआ, क्योंकि उस समय इनकी उम्र 16 वर्ष पूरी नहीं हुई थी। तब यह नियम था कि मैट्रिक की परीक्षा वही विद्यार्थी दे सकता है, जिसने 16 वर्ष की उम्र प्राप्त कर ली हो। इस कारण हिदायतुल्लाह ने 1922 में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। तब यह रायपुर के सरकारी स्कूल में थे और परीक्षा में प्रथम आने के कारण इन्हें 'फिलिप्स स्कॉलरशिप' प्राप्त हुई।

व्यावसायिक जीवन

1956 तक एम. हिदायतुल्लाह नागपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस पद पर थे। इसके पूर्व यह स्कूल कोड कमेटी और कोर्ट फी रिवीजन कमेटी के प्रभारी भी रहे। 1 नवम्बर 1956 को जब राज्यों के पुनर्गठन का कार्य सम्पन्न हुआ तो उन्हें जबलपुर (मध्य प्रदेश) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया। वहाँ उन्होंने 25 माह तक उस पद पर कार्य किया। 1958 में यह उच्चतम न्यायालय की बैंच में आ गए और जज का ओहदा प्राप्त हुआ।

कम उम्र के मुख्य न्यायाधीश

इस प्रकार 1942 तक ही एम. हिदायतुल्लाह के व्यक्तितत्व के कई पहलू सामने आ गए थे। यह शिक्षाविद थे, ज्यूरिस्ट थे, सबसे कम उम्र के सरकारी वकील थे और एडवोकेट जनरल भी थे। 1954 में यह हाई कोर्ट के सबसे कम उम्र के मुख्य न्यायाधीश भी बने। लेकिन इनके जीवन को सर्वोच्चता प्रदान करने वाला सौभाग्यशाली दिन तो 25 फ़रवरी 1968 का था, जब यह उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने। इस प्रकार उच्च पंक्ति के वकील से एस. हिदायतुल्लाह ने न्यायिक व्यवस्था का सर्वोच्च पद प्राप्त किया। देश के विभाजन के बाद इन्हें पाकिस्तान ले जाने के लिए लुभाने की भी कोशिशें की गई थीं। इन्हें भारत में ज़िन्दगी खो देने का भय भी दिखाया गया था, लेकिन भारत का मुख्य न्यायाधीश बनकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि धार्मिक आधार पर मुस्लिमों के मन में जो आशंकाएँ थीं, वह सर्वथा निर्मूल थीं।

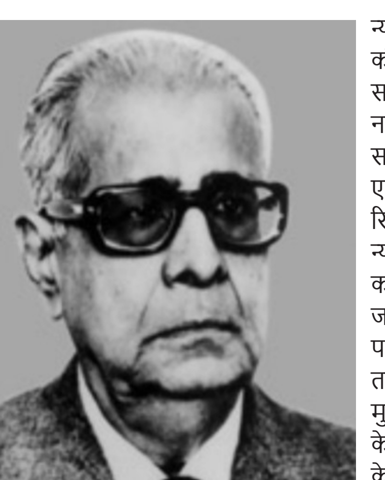

न्यायाधीश के रूप में

एक जज के रूप में हिदायतुल्लाह के कार्यकाल का आरंभ 24 जून 1946 से आरंभ हुआ जो 16 दिसम्बर 1970 तक जारी रहा। भारत में इस पद पर रहते हुए किसी भी अन्य व्यक्ति ने इतना लम्बा कार्यकाल नहीं गुज़ारा। सेवानिवृत्त होने के दो दिन बाद यह मुंबई चले गए। 1971 में इन्होंने बेलग्रेड में विश्व के जजों की असेम्बली में शिरकत की। रवीन्द्रनाथ टैगोर और पण्डित नेहरू के बाद इन्हें ही नाइट ऑफ़ मार्क ट्रेन की उपाधि 1972 में अमेरिका की 'इंटरनेशनल मार्क ट्रेन सोसाइटी' ने प्रदान की।

कार्यवाहक राष्ट्रपति पद पर

भारत के ज्ञानी संविधान निर्माताओं ने राष्ट्रपति निर्वाचन के संबंध में तो आवश्यक नियम बनाए थे, लेकिन उन्होंने एक भूल कर दी थी। उन्होंने उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति पद का दावेदार मान लिया, यदि किसी कारणवश राष्ट्रपति का पद रिक्त हो जाता है तो ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति पद किसे और कैसे प्रदान किया जाए? यह स्थिति 3 मई, 1969 को डॉ. ज़ाकिर हुसैन के राष्ट्रपति पद पर रहते हुए मृत्यु होने से उत्पन्न हुई। तब वाराहगिरि वेंकट गिरि को आनन-फानन में कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया, जिसका संविधान में प्रावधान था। लेकिन भारतीय संविधान के अनुसार राष्ट्रपति पद हेतु निर्वाचन किया जाता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद भी श्री वी.वी गिरि राष्ट्रपति का चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन इसके लिए वह कार्यवाहक राष्ट्रपति अथवा उपराष्ट्रपति पद का त्याग करके ही उम्मीदवार बन सकते थे। ऐसी स्थिति में दो संवैधानिक प्रश्न उठ खड़े हुए जिसके बारे में संविधान में कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। प्रथम प्रश्न यह था कि कार्यवाहक राष्ट्रपति रहते हुए श्री वी.वी गिरि अपना त्यागपत्र किसके सुपुर्द करें और द्वितीय प्रश्न था कि वह किस पद का त्याग करें- उपराष्ट्रपति पद का अथवा कार्यवाहक राष्ट्रपति का? तब वी.वी. गिरि ने विशेषज्ञों से परामर्श करके उपराष्ट्रपति पद से 20 जुलाई 1969 को दिन के 12 बजे के पूर्व अपना त्यागपत्र दे दिया। यह त्यागपत्र भारत के राष्ट्रपति को सम्बोधित किया गया था।

यहाँ यह बताना भी प्रासंगिक होगा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति पद पर वह 20 जुलाई, 1969 के प्रात: 10 बजे तक ही थे। यह सारा घटनाक्रम इस कारण सम्पादित हुआ क्योंकि 28 मई 1969 को संसद की सभा आहूत की गई और अधिनियम 16 के अंतर्गत यह क़ानून बनाया गया कि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों की अनुपस्थिति में भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अथवा इनकी अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण कराई जा सकती है। इसी परिप्रेक्ष्य में नई व्यवस्था के अंतर्गत यह सम्भव हो पाया कि राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति दोनों का पद रिक्त रहने की स्थिति में मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया जा सकता है। इस व्यवस्था के पश्चात्त सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश मुहम्मद हिदायतुल्लाह भारत के नए कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण कर सके। इस प्रकार 1969 को पारित अधिनियम 16 के अनुसार रविवार 20 जुलाई 1969 को प्रात:काल 10 बजे राष्ट्रपति भवन के अशोक कक्ष में इन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने से पूर्व एम. हिदायतुल्लाह को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद छोड़ना पड़ा था। तब उस पद पर जे. सी. शाह को नया कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाया गया था। इन्हीं कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय ने एम. हिदायतुल्लाह को कार्यवाहक राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। वह 35 दिन तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के पद पर रहे। 20 जुलाई 1969 के मध्याह्न से 24 अगस्त, 1969 के मध्याह्न तक का समय इनके कार्यवाहक राष्ट्रपति वाला समय था। इस प्रकार अप्रत्याशित परिस्थिति के चलते इन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति का पदभार संभालना पड़ा।

उपराष्ट्रपति

31 अगस्त 1979 को श्री हिदायतुल्लाह को सर्वसम्मति से भारत का उपराष्ट्रपति चुना गया। इन्होंने अपना उपराष्ट्रपति कार्यकाल 31 अगस्त 1984 की अवधि तक पूर्ण किया। 1979 से 1984 तक उपराष्ट्रपति रहते हुए वह जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली और पंजाब विश्वविद्यालयों के कुलपति भी रहे। 4 अक्टूबर 1991 को इन्हें 'भारतीय विद्या परिषद' की मानद सदस्यता भी दी गई। इस प्रकार इन्होंने प्रत्येक पद को पूर्ण गरिमा प्रदान की। उपराष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूर्ण करने के बाद एम. हिदायतुल्लाह ने आज़ाद पंछी जैसी खुशी महसूस की। उन्होंने एक बहुत बड़े दायित्व को निष्ठापूर्वक निभाया था। इस दौरान यह उपराष्ट्रपति होने के कारण राज्यसभा के सभापति भी थे। लेकिन इन पर कभी भी पद के दुरुपयोग अथवा पक्षपात करने का आरोप नहीं लगा। राज्यसभा में यह सभी सदस्यों के चहेते मित्र की भांति रहे। अवकाश ग्रहण कर लेने के बाद जाने-माने राजनेताओं ने इनकी मुक्तकंठ से प्रशंसा की। जब यह उपराष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूर्ण करने के बाद मुंबई रवाना हुए तो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उन्हें भावभीनी विदाई देने वालों में प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी, उपराष्ट्रपति आर. वेंकटरमण, गृहमंत्री नरसिम्हाराव और उच्च अधिकारीगण सम्मिलित थे।

उपलब्धियाँ

29 सितम्बर 1984 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विशेष दीक्षांत समारोह में हिदायतुल्लाह को डॉक्टर ऑफ़ सिविल लॉ की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। इन्होंने अपनी पैतृक परम्परा का निर्वाह करते हुए परदादा, दादा एवं पिता की भांति उपयोगी पुस्तकों का भी सृजन किया।

निधन

मानव जीवन की अंतिम त्रासदी यह है कि वह नश्वर है, शाश्वत नहीं। एम. हिदायतुल्लाह ने भी ईश्वर की नश्वरता के नियम का अनुपालन करते हुए 18 सितम्बर 1992 को हृदयाघात के कारण अपना शरीर त्याग दिया। इनका निधन मुंबई में हुआ था। एक इंसान के रूप में इनका जीवन मानव जाति के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। वह एक ऐसी शख़्सियत थे, जिसके सम्पर्क में आया व्यक्ति इन्हें कभी नहीं भूल सकता था। भारत माता के इस सच्चे सपूत को उसके मानवीय गुणों के कारण याद किया जाता रहेगा। -**सलीम अली**

इमाम अबू हामिद मुहम्मद (ग़ज़ाली र. अ.)

इमाम ग़ज़ाली र. अ. का पूरा नाम - अबू हामिद मुहम्मद इब्न मुहम्मद अल-ग़ज़ाली है। उनके पिता एक कपास/कपड़ा व्यापारी थे और इसलिए उन्हें ग़ज़ाली कहा जाता है। इमाम ग़ज़ाली की पैदाइश सन 1058 ई. (450 हिजरी) में, बमुकाम-तूस (तौस) के तबरान कस्बे (ख़ुरासान, ईरान) में हुई थी और वफ़ात: 19 दिसम्बर, 1111 ई. (505 हिजरी) को तूस (तौस) में 52-53 साल की उम्र में हुई। इमाम ग़ज़ाली र. अ. की कई बेटियाँ थीं, लेकिन कोई बेटा नहीं था ।

आपका लक़ब-हुज्जतुल-इस्लाम है और इस्लामी इतिहास के सबसे प्रमुख और प्रभावशाली न्यायविदों, कानूनी सिद्धांतकारों, मुफ़्तियों, दार्शनिकों, धर्म-शास्त्रियों, तर्क-शास्त्रियों और रहस्यवादियों में से एक के रूप में उन्हें जाना जाता है।

इमाम ग़ज़ाली का इल्मी सफ़र बेहद शानदार रहा । छोटी उम्र से ही आपने तालीम हासिल की और शाफ़ई फ़िक़्ह में माहिर हुए यानि इमाम शाफ़ई मसलक से आप थे । आपने कई मशहूर उस्तादों के साथ-साथ इमाम जुबैदी और इमाम जुवैनी (इमामुल हरमैन) से इल्म हासिल किया। आप बहुत कम उम्र में ही जुलाई, 1091 में निज़ामिया मदरसा, बग़दाद (जो उस दौर की यूनिवर्सिटी की तरह था) के शैख़ व मुहद्दिस बने यानि प्रोफेसर बने। इमाम ग़ज़ाली र. अ. ने अपना शानदार केरियर छोड़ा, अर्थात प्रोफेसर के पद से खुद हट गये और लगभग 10 साल तक (सूफ़ियाना/तसव्वुफ़) संन्यासी, तपस्वी जीवन व्यतीत किया, जिसके बाद उन्होंने तूस में फिर वापसी की । 10 साल तक सूफ़ियाना ज़िन्दगी गुज़ारने के सम्बन्ध में उन्होंने अपनी आत्म-कथा में लिखा है कि "मैं इस नतीजे पर पहुँचा कि आख़िरत की नेमतें तक़्वा और शारीरिक इच्छाओं के त्याग के बिना हासिल नहीं की जा सकतीं और यह तभी हो सकता है जब दुनिया की मोहब्बत गायब हो जाए, जब तक कि इंसान दुनिया को त्यागकर आख़िरत की चाहत न करे। इंसान को पूरी ऊर्जा और पूरी तरह से अपने रब की तरफ़ मुड़ना चाहिए और यह वैभव और धन-दौलत का त्याग किए बिना नहीं हो सकता। जब मैंने ख़ुद को परखा, तो पाया कि मैं दुनिया से गहराई से जुड़ा हुआ हूँ । जब मैंने अपने व्याख्यान के पीछे के उद्देश्यों का अध्ययन किया, तो पाया कि यह सिर्फ़ शान-शौकत और रुतबे के लिए था। अब मुझे यक़ीन हो गया था कि मैं बर्बादी के कगार पर खड़ा हूँ। मैंने इस स्थिति पर काफ़ी देर तक विचार किया।" आख़िरकार इमाम ग़ज़ाली एकांतवास के लिए दमिश्क गए और अपना समय भक्ति और आत्म-शुद्धि में (सुफियाना, तसव्वुफ की ज़िन्दगी) बिताया।

इमाम ग़ज़ाली र. अ. दीने इस्लाम के शाफ़ई मसलक के बड़े फ़क़ीह थे और फ़िक़्ह व उसूल पर आपने बहुत काम किया, उसूल-ए-फ़िक़्ह (इस्लामी क़ानून की बुनियाद) पर उनकी किताब "अल-मुस्तस्फ़ा" सबसे अहम किताब मानी जाती है। उनकी सबसे मशहूर किताब "इह्या उलूमुद्दीन" है, जिसे इस्लाम की रूहानी और अख़लाक़ी ज़िंदगी का ख़ज़ाना माना जाता है। इस तरह तसव्वुफ़ (रूहानियत) के लिहाज से इस्लाम में एक नये दौर की शुरुआत हुई। इमाम ग़ज़ाली र. अ. ने ग्रीक फ़लसफ़ी (अरस्तू, अफ़लातून) और मुस्लिम फ़लसफ़ियों (फ़ाराबी, इब्न सीना) के असरात का गहरा अध्ययन किया और उन्होंने अपनी किताब "तहाफ़ुतुल फ़लासिफ़ा" (फ़लसफ़ियों का विरोधाभास) लिखकर फ़लसफ़ियों की बहुत-सी राय और उसूलों का खंडन किया। इमाम ग़ज़ाली र. अ. ने इस्लामी सोच को नया रुख़ दिया।

इमाम ग़ज़ाली र. अ. को "मजद्दिद-ए-ग्यारहवीं सदी" (धर्म को पुनर्जीवित करने वाला) कहा जाता है। उन्होंने शरिया (क़ुरआन-हदीस), अक़्ल (फ़लसफ़ा) और तसव्वुफ़ (रूहानियत) तीनों को एक प्लेटफ़ॉर्म पर ला दिया। उनकी सोच ने न सिर्फ़ मुस्लिम दुनिया बल्कि यूरोप के ईसाई स्कॉलर्स (जैसे थॉमस एक्विनास) को भी प्रभावित किया।

इमाम ग़ज़ाली की ख़ास-ख़ास बातें:-

1. इमाम ग़ज़ाली र. अ. का मानना है कि "इल्म बिना अमल बेकार है, और अमल बिना इख़लास रियाकार (दिखावा)।"
2. इंसान का मक़सद अल्लाह की पहचान और उसकी बंदगी है।

इमाम ग़ज़ाली की तालिमात आज भी मदरसों और यूनिवर्सिटियों में पढ़ाई जाती है। अल-ग़ज़ाली र. अ. ने अपनी अधिकांश रचनाएँ फ़ारसी और अरबी में लिखीं हैं ।

इमाम ग़ज़ाली र. अ. की लिखी गईं ख़ास क़िताबें :-

1. इह्या उलूमुद्दीन– ईमान, इबादत, अख़लाक़ और समाजी उसूलों पर मबनी है । इह्या उलूमुद्दीन किताब 4 हिस्सों में बंटी है और हर हिस्से में 10 किताबें (कुल 40 किताबें) हैं । "इह्या उलूमुद्दीन" एक ऐसी गाइड है जो मुसलमान को नमाज़ और रोज़ा सिखाने के साथ-साथ दिल की सफ़ाई, मोहब्बत और अल्लाह से ताल्लुक़ को ज़िंदा करना सिखाती है।

"इह्या" सदियों से मदरसों में पढ़ाई जाती रही है। इसे उलमा और सूफ़िया दोनों ने क़बूल किया। कई लोगों ने इसे "क़ुरआन और हदीस के बाद सबसे ज़्यादा असरदार किताब" कहा।

यूरोप तक में इसका असर पहुँचा; किताब के कई हिस्सों का लातिनी और अंग्रेज़ी में अनुवाद हुआ।

2. तहाफ़ुतुल फ़लासिफ़ा– इस्लामी दर्शन की एक मशहूर किताब है। फ़लसफ़ियों की राय की तन्क़ीद (आलोचना) है । इस किताब में 20 ऐसे मसाइल (विचारों) पर आपत्ति उठाई जो उनके मुताबिक़ इस्लाम के खिलाफ़ थे। यह किताब दर्शन के इतिहास में एक मील का पत्थर है, क्योंकि यह 14वीं शताब्दी के यूरोप में बाद में विकसित अरस्तू विज्ञान की आलोचना को आगे बढ़ाती है । इमाम ग़ज़ाली र. अ. ने इस किताब से यह साबित किया कि केवल दर्शन से हक़ीक़त (सच्चाई) तक नहीं पहुंचा जा सकता, बल्कि वहीं और नबूवत ही अंतिम मार्ग-दर्शक हैं। ग़ज़ाली र. अ. ने यहाँ फ़लसफ़ियों के नैतिक विचारों को लिया, लेकिन उन्हें इस्लामी नज़रिये से तौला। यह किताब, फ़लसफ़ा और तसव्वुफ़ का पुल है — यानी ग़ज़ाली ने दार्शनिक तर्कों को सूफ़ी नैतिकता से जोड़ा है। इमाम ग़ज़ाली र. अ. ने किताब में कहा है कि इन तीन विचारों के मानने वाले इस्लाम से बाहर (ख़ारिज) हो जाते हैं :- 1. क़यामत में जिस्मानी (शारीरिक) हिसाब-किताब और जन्नत-जहन्नम को न मानना । 2. अल्लाह का केवल कुल (यानि सार्वभौमिक) चीज़ों को जानना और व्यक्तिगत चीज़ों को न जानना । 3. आलम (ब्रह्मांड) का हमेशा से होना – यानि इसका कोई आरंभ न होना । बाक़ी 17 मसाइल में उन्होंने फ़लसफ़ियों को सिर्फ़ "गुमराह" (बिदअत पर) कहा।

3. अल-मुस्तस्फ़ा – उसूल-ए-फ़िक़्ह पर अहम किताब। अल-मुस्तस्फ़ा चार बड़े भागों में है। शाफ़ई फ़िक़्ह के लिए यह मानक किताब है।

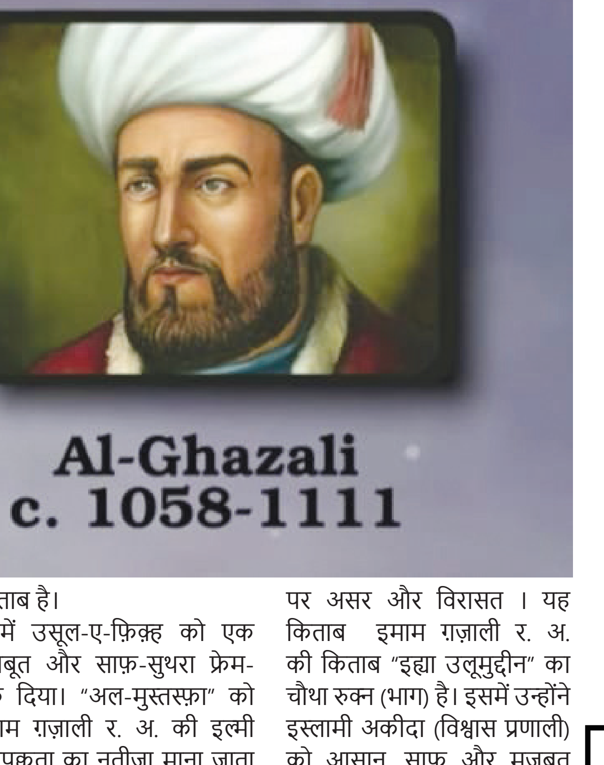

इसमें उसूल-ए-फ़िक़्ह को एक मजबूत और साफ़-सुथरा फ्रेम-वर्क दिया। "अल-मुस्तस्फ़ा" को इमाम ग़ज़ाली र. अ. की इल्मी परिपक्वता का नतीजा माना जाता है, क्योंकि यह उन्होंने अपने तसव्वुफ़ी और दार्शनिक सफ़र के बाद लिखी है।

4. मिज़ानुल अमल – इंसानी अख़लाक़ और अमल का तौल। यह किताब उनकी मशहूर किताब "इह्या उलूमुद्दीन" के लिखे जाने से पहले की है और ग़ज़ाली के इल्मी-सफ़र में एक खास मुकाम रखती है। इस किताब में इमाम ग़ज़ाली र. अ. का मक़सद यह समझाना था कि अच्छा अमल कौन-सा है, बुरा अमल कौन-सा है और सही नीयत और सही मक़सद क्या होना चाहिए। "मिज़ान" शब्द से इशारा है कि हर अमल को तौला जाए — यानि कोई भी काम सिर्फ़ आदत या दिखावे के लिए न हो, बल्कि अल्लाह की ख़ुशी के लिए हो।

5. क़वायदुल अक़ाइद– अक़ीदे पर असर और विरासत । यह किताब इमाम ग़ज़ाली र. अ. की किताब "इह्या उलूमुद्दीन" का चौथा रुक्न (भाग) है। इसमें उन्होंने इस्लामी अकीदा (विश्वास प्रणाली) को आसान, साफ़ और मज़बूत अंदाज़ में बयान किया है। यह किताब अहलुस्सुन्ना वल-जमाअह के अकीदे का मानक बयान बन गई।

मदरसों और दर्स-ए-निज़ामी में इसे इब्तिदाई कलाम के तौर पर पढ़ाया जाता है।

इमाम ग़ज़ाली र. अ. का मक़सद इस किताब में यह था कि आम मुसलमान को सही अकीदा (सही विश्वास) समझ आए। इस्लामी अकीदे को इतना साफ़ और आसान बना दिया जाए कि लोग ग़लत फ़लसफ़ी विचारों में न फँसे।

किताब में आसानी से समझाया गया है, अल्लाह पर ईमान – उसकी ज़ात, सिफ़ात (गुण), और उसकी तौहीद (एकता)। फ़रिश्तों पर ईमान अल्लाह की किताबों पर ईमान। रसूलों पर ईमान आख़िरत पर ईमान – हिसाब-किताब, जन्नत-जहन्नम। तक़दीर पर ईमान – अच्छा और बुरा सब अल्लाह के इल्म में है ।

ग़ज़ाली र. अ. ने अल्लाह की 20 सिफ़ात का बयान किया, जिन्हें जानना ज़रूरी है, नबूवत और रिसालत की हक़ीक़त । नबी और रसूल के बीच फर्क । नबूवत की ज़रूरत और उसकी दलीलें। मोहम्मद स. अ. के नबी होने की दलीलें ।

आख़िरत के मसाइल :-

मौत के बाद की ज़िंदगी, बरज़ख़, क़यामत, हश्र-नशर। जन्नत और जहन्नम की हक़ीक़त। रूह का हिसाब। इमाम ग़ज़ाली र. अ. ने साइंस और दर्शन, दार्शनिकता के सम्बन्ध में इस सिद्धांत को प्रतिपादित किया कि अल्लाह के हुक्म के बिना कायनात में कुछ नहीं होता । रुई को आग के पास ले जाने पर रुई खुद-ब-खुद नहीं जलती, बल्कि अल्लाह के हुक्म से जलती है। यह भी कहा जाता है कि इमाम ग़ज़ाली के उसूलों और व्याख्याओं के बाद मुस्लिम जगत, विज्ञान और दर्शन से दूर होने लगा, यह पूरी तरह से सही नहीं कहा जा सकता क्योंकि ग़ज़ाली र. अ. खुद एक बहुत बड़े आलिम थे और तर्क शास्त्र (logic) का इस्तेमाल करते थे । 13वीं सदी के बाद (1258 में बग़दाद की तबाही के बाद), असली गिरावट मंगोल आक्रमण और बाद में राजनीतिक पतन से आई, जिसने किताबों, वेधशालाओं और विश्वविद्यालयों को नष्ट कर दिया था। मुस्लिम जगत में नई-नई इजादात (अविष्कार) रुक गई थीं । यह सही है कि इमाम ग़ज़ाली र. अ. की तालीमात ने सूफ़ीवाद व इस्लामी इल्मुल-कलाम को मज़बूत किया और इसे बहुत बढ़ावा मिला। इसका (सूफ़ीवाद) असर मुस्लिम जगत में आज भी देखा जा सकता है।

-फ़ज़लुर्रहमान

चौधरी ज़बरदस्त खां (स्वतंत्रता सेनानी -1857, हापुड़)

चौधरी ज़बरदस्त खां और चौधरी उल्फत खां 1857 के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक है, जिन्होंने हापुड़ से क्रांति का मोर्चा संभाला था। 10 मई 1857 को मेरठ से अंग्रेजों के खिलाफ प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का बिगुल बजा था। देश के वीर सपूतों ने अंग्रेजों को छक्के छुड़ा दिए थे। चर्बी लगे कारतूसों को आधार बनाकर विद्रोह की आग सुलगाने में मेरठ छावनी के 85 सैनिकों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। ये सभी क्रांतिकारी सैनिक मेरठ कमिश्नरी के निवासी थे। इनमें एक वीर सैनिक हापुड़ के मोहल्ला भंडा पट्टी निवासी चौधरी जबरदस्त खां थे। अंग्रेजों के विरूद्ध क्रांति में शामिल होने के कारण चौधरी जबरदस्त खाँ को 14 सितंबर 1857 को उनके समर्थकों के साथ मृत्युदण्ड (फांसी) पर लटका दिया गया। लेकिन उनकी शहादत को हापुड़ के निवासी आज भी याद करते हैं। हापुड़ में 1857 में शहीद होने वाले क्रांतिकारियों की याद में 1975 से प्रतिवर्ष शहीद मेले का आयोजन किया जाता है। जो 10 मई से शुरू होकर एक माह तक चलता है। सम्पूर्ण देश में 1857 से सम्बद्ध इस प्रकार के मेले का आयोजन कहीं नही किया जाता।

UPPSC ने असिस्टेंट प्रोफेसर के 1253 पदों पर निकाली भर्ती

उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में करेक्शन और फीस जमा करने की आखिरी तारीख 13 अक्टूबर 2025 तय की गई है। यह भर्ती वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) आधारित ऑनलाइन आवेदन के जरिए होगी।

आवेदन शुरू :
4 सितंबर 2025, लास्ट डेट 6 अक्टूबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित विषय में कम से कम 55% अंकों के साथ मास्टर डिग्री।
यूजीसी नेट या समकक्ष परीक्षा (जैसे NET या Ph.D.) पास होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल
राज्य के आरक्षित वर्गों के अभ्यर्थियों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिम्स एग्जाम
मेन्स एग्जाम
इंटरव्यू

सैलरी :
57,700 -1,82,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 125 रुपए
एससी, एसटी : 65 रुपए
दिव्यांग : निःशुल्क, प्रोसेसिंग फीस 25 रुपए
पूर्व सैनिक : निःशुल्क, प्रोसेसिंग फीस 25 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाएं।
वन टाइम रजिस्ट्रेशन टैब पर क्लिक करें।
मोबाइल नंबर, मेल आईडी आदि दर्ज कर रजिस्ट्रेशन करें।

IBPS ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में 13217 पदों पर निकाली भर्ती

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनेल सिलेक्शन (IBPS) ने देशभर के रीजनल रूरल बैंकों (RRBs) में क्लर्क और ऑफिसर (PO) समेत कई पदों पर 13000 से अधिक वैकेंसी निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ibpsreg.ibps.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए फीस भरने की आखिरी तारीख 21 सितंबर तय की गई है। प्रीलिम्स एग्जाम नवंबर 2025 में होगी। वहीं मेन एग्जाम दिसंबर दिसंबर 2025 / फरवरी 2026 में हो सकती है।

आवेदन शुरू :
1 सितंबर 2025

लास्ट डेट :
21 सितंबर 2025

कुल पदों की संख्या : 13,217

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ऑफिस असिस्टेंट (क्लर्क) : ग्रेजुएशन की डिग्री
ऑफिसर स्केल-I : ग्रेजुएशन की डिग्री
ऑफिसर स्केल-II (जनरल बैंकिंग ऑफिसर) : 50% अंकों के साथ ग्रेजुएशन, 2 साल अनुभव
आईटी ऑफिसर स्केल-II : कंप्यूटर/आईटी संबंधित डिग्री, 1 साल का अनुभव
सीए ऑफिसर स्केल-II : ICAI से सीए की डिग्री, 1 साल अनुभव
लॉ ऑफिसर स्केल-II : एलएलबी, 2 साल का अनुभव
ट्रेजरी मैनेजर स्केल-II : सीए या एमबीए (फायनेंस), 1 साल अनुभव
मार्केटिंग ऑफिसर स्केल-II : एमबीए (मार्केटिंग), 1 साल अनुभव
एग्रीकल्चर ऑफिसर स्केल-II : एग्रीकल्चर/डेयरी/बागवानी/पशु चिकित्सा/मत्स्यपालन में डिग्री, 2 साल का अनुभव
ऑफिसर स्केल-III : 50% अंकों के साथ ग्रेजुएशन, 5 साल का अनुभव

एज लिमिट :
ऑफिस असिस्टेंट : 18 - 28 साल
ऑफिसर स्केल-I : 18 - 30 साल
ऑफिसर स्केल-II : 21 - 32 साल
ऑफिसर स्केल-III : 21 - 40 साल

सिलेक्शन प्रोसेस :
क्लर्क (ऑफिस असिस्टेंट) : प्रीलिम्स एग्जाम, मेन्स एग्जाम
पीओ (ऑफिसर) : प्रीलिम्स एग्जाम, मेन्स एग्जाम, इंटरव्यू

फीस :
सामान्य, ओबीसी,ईडब्ल्यूएस : 850 रुपए
एससी, एसटी, दिव्यांग : 175 रुपए

सैलरी :
19,900 - 37,442 रुपए प्रतिमाह अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
IBPS की ऑफिशियल वेबसाइट ibpsreg.ibps.in पर जाएं।
"IBPS RRB Recruitment 2025" लिंक पर क्लिक करें।
अब "न्यू रजिस्ट्रेशन" पर जाकर जानकारी भरें।
रजिस्ट्रेशन पूरा होने के बाद लॉगिन करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स जैसे फोटो, सिग्नेचर अपलोड करें।
फीस ऑनलाइन माध्यम से जमा करें।
फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 2865 पदों पर निकली भर्ती

वेस्ट सेंट्रल रेलवे ने जबलपुर, भोपाल, मध्य प्रदेश और कोटा, राजस्थान में अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया 30 अगस्त से शुरू होगी। उसके बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट wcr.indianrailways.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
30 अगस्त से 29 सितम्बर तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10वीं, 12वीं पास होना चाहिए।
आईटीआई की डिग्री।

एज लिमिट :
अधिकतम 24 साल
ओबीसी : 3 साल
एससी/एसटी : 5 साल
पीडब्ल्यूडी (सामान्य) : 10 साल
पीडब्ल्यूडी (ओबीसी) : 13 साल
पीडब्ल्यूडी (एससी/एसटी) : 15 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 141 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला : 41 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
शॉर्टलिस्टिंग
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

स्टाइपेंड :
अप्रेंटिस नियमों के अनुसार

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट wcr.indianrailways.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।
अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी दर्ज करें।
बर्थ सर्टिफिकेट सहित जरूरी डाक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी अपलोड करें

DDA ने 1732 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 40 साल

दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) ने विभिन्न ग्रुप ए, बी और सी पदों पर भर्ती के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के तहत जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, स्टेनोग्राफर, असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर सहित 1732 पदों पर भर्ती होगी।
आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार डीडीए की ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। फीस जमा करने की आखिरी तारीख भी 5 नवंबर तय की गई है।

आवेदन शुरू :
06 अक्टूबर से 05 नवंबर 2025 तक

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भूतपूर्व सैनिक, महिला, दिव्यांग : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन लिखित परीक्षा
स्किल टेस्ट
टाइपिंग टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

सैलरी :
7वें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार
अन्य अलाउंस का लाभ भी दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाएं।
वेबसाइट पर उपलब्ध "ऑनलाइन आवेदन" लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
जरूरी डिटेल्स भरें और डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले दैनिक रॉयल पत्रिका एवं डिजिटल रॉयल पत्रिका के लिए 5 रिपोर्टर्स एवं 2 विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक उम्मीदवार भी संपर्क कर सकते हैं।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -

संपर्क करें -
- royalpatrika@gmail.com
- +91-9772552446

इंटेलिजेंस ब्यूरो में 455 पदों पर निकली भर्ती

इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) ने सिक्योरिटी असिस्टेंट मोटर ट्रांसपोर्ट के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mha.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
6 सितंबर 2025, लास्ट डेट 28 सितंबर 2025

वैकेंसी डिटेल्स :

पद का नाम	पदों की संख्या
जनरल	219
ओबीसी एनसीएल	90
एससी	51
एसटी	49
ईडब्ल्यूएस	46

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
ड्राइविंग लाइसेंस (LMV) होना चाहिए।
कार ड्राइविंग का एक साल का अनुभव होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 27 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 650 रुपए
एससी, एसटी, महिला, एक्स सर्विसमैन : 550 रुपए

सैलरी :
21,700-69,100 रुपए प्रति माह
अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे।

सिलेक्शन प्रोसेस :
टियर - 1 एग्जाम
टियर - 2 एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.mha.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
नए पेज पर एक पीडीएफ खुलेगी, जिसमें दिए गए लिंक को ब्राउजर में टाइप करें।
ऑनलाइन एप्लिकेशन फॉर्म खुल जाएगा।
मांगी गई जरूरी डिटेल्स के साथ योग्यता, अनुभव, फोटो और स्कैन सिग्नेचर अपलोड करें।
ऑफिशियल पेमेंट पोर्टल के माध्यम से अपनी एप्लिकेशन फीस जमा करें।
'सब्मिट' से पहले अपने फॉर्म का एक बार रिव्यू कर लें।
फॉर्म सब्मिट करने के बाद कंफर्मेशन पेज डाउनलोड करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 2865 पदों पर भर्ती

वेस्ट सेंट्रल रेलवे ने जबलपुर, भोपाल, मध्य प्रदेश, कोटा, राजस्थान में अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया आज यानी 30 अगस्त से शुरू हो रही है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट wcr.indianrailways.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
30 अगस्त 2025

लास्ट डेट :
29 सितंबर 2025

वर्क वाइस वैकेंसी डिटेल्स :

पद का नाम	पदों की संख्या
लोहार	139
कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट	316
इलेक्ट्रीशियन	727
इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक	185
फिटर	843
इंजीनियर	38
मैकेनिक	8
प्लंबर	83
टर्नर	26
वेल्डर	367
वायरमैन	133

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10वीं, 12वीं पास होना चाहिए।
आईटीआई की डिग्री।

एज लिमिट :
अधिकतम 24 साल
ओबीसी : 3 साल
एससी/एसटी : 5 साल
पीडब्ल्यूडी (सामान्य) : 10 साल
पीडब्ल्यूडी (ओबीसी) : 13 साल
पीडब्ल्यूडी (एससी/एसटी) : 15 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 141 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला : 41 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
शॉर्टलिस्टिंग
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

स्टाइपेंड :
अप्रेंटिस नियमों के अनुसार

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट wcr.indianrailways.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।
अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी दर्ज करें।
बर्थ सर्टिफिकेट सहित जरूरी डाक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
यदि लागू हो तो रजिस्ट्रेशन फीस जमा करें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)

राष्ट्रीय घटनाओं पर सिविल सेवा स्तर के 50 MCQs और महत्वपूर्ण नोट्स

लेखक: डॉ. एम. ए. खान, प्रोफेसर-भूगोल, एसबीडी राजकीय महाविद्यालय, सरदारशहर (चूरू)

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के तहत राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (NRF) का मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना
b) अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करना
c) खेल प्रशिक्षण प्रदान करना
d) क्षेत्रीय भाषा नीति लागू करना
उत्तर: b) अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करना
विश्लेषण: NRF का गठन NEP 2020 के तहत अनुसंधान संस्कृति को मजबूत करने के लिए किया गया है, जो वैश्विक चुनौतियों का समाधान करता है।

2. लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन (लूपेक्स) किसके बीच एक सहयोगी परियोजना है?
a) ISRO और NASA
b) ISRO और JAXA
c) ISRO और ESA
d) ISRO और CNSA
उत्तर: b) ISRO और JAXA
विश्लेषण: लूपेक्स चंद्रमा पर पानी की खोज के लिए भारत और जापान का संयुक्त मिशन है।

3. प्रथम खो-खो वर्ल्ड कप 2025 कहाँ आयोजित होगा?
a) नई दिल्ली
b) कोलकाता
c) मुंबई d) चेन्नई
उत्तर: a) नई दिल्ली
विश्लेषण: यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर ले जाएगा।

4. जैव विविधता पर सम्मेलन (CBD) COP16 का आयोजन 2024 में कहाँ हुआ?
a) काली, कोलंबिया
b) मॉन्ट्रियल, कनाडा
c) नई दिल्ली, भारत
d) रियो डी जनेरियो, ब्राजील
उत्तर: a) काली, कोलंबिया
विश्लेषण: CBD 1992 में रियो पृथ्वी सम्मेलन में स्थापित हुआ, जो जैव विविधता संरक्षण पर केंद्रित है।

5. 'अंश' 25T Bollard Pull टग को किस पहल के तहत लॉन्च किया गया?
a) आत्मनिर्भर भारत b) मेक इन इंडिया c) डिजिटल इंडिया
d) स्वच्छ भारत
उत्तर: b) मेक इन इंडिया
विश्लेषण: यह भारतीय नौसेना की समुद्री क्षमता को बढ़ाता है।

6. 54वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2025 की थीम क्या थी?
a) एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य
b) सुरक्षा और कल्याण विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण
c) समानता और सशक्तिकरण
d) पर्यावरण संरक्षण
उत्तर: b) सुरक्षा और कल्याण विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण
विश्लेषण: यह थीम कार्यस्थल और सार्वजनिक सुरक्षा पर केंद्रित है।

7. भारत का राष्ट्रीय चिह्न किससे लिया गया है?
a) ताजमहल
b) अशोक स्तंभ
c) लाल किला
d) गंगा नदी
उत्तर: b) अशोक स्तंभ
विश्लेषण: सारनाथ का अशोक स्तंभ भारत की संप्रभुता का प्रतीक है।

8. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के तहत DIETs की स्थापना का उद्देश्य क्या था?
a) उच्च शिक्षा सुधार
b) प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधार
c) डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा
d) व्यावसायिक प्रशिक्षण
उत्तर: b) प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधार
विश्लेषण: DIETs शिक्षक प्रशिक्षण के लिए स्थापित किए गए।

9. भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में हरा रंग किसका प्रतीक है?
a) बलिदान b) शांति
c) समृद्धि d) एकता
उत्तर: c) समृद्धि
विश्लेषण: हरा रंग भारत की प्राकृतिक संपदा को दर्शाता है।

10. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को कौन निष्पादित कर रहा है?
a) भारतीय रेलवे
b) NHSRCL
c) DRDO d) NITI आयोग
उत्तर: b) NHSRCL
विश्लेषण: NHSRCL भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना को लागू कर रहा है।

11. चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग कब हुई?
a) 23 अगस्त 2023 b) 15 जुलाई 2023 c) 10 सितंबर 2023 d) 5 जून 2023
उत्तर: a) 23 अगस्त 2023
विश्लेषण: यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत की पहली लैंडिंग थी।

12. भारत का पहला AI-आधारित 'Ele-fence' प्रोजेक्ट कहाँ शुरू हुआ?
a) राजस्थान b) केरल
c) महाराष्ट्र d) गुजरात
उत्तर: b) केरल
विश्लेषण: यह मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए शुरू किया गया।

13. 'Krishi Sakhi' कार्यक्रम किस मंत्रालय के बीच MoU का हिस्सा है?
a) कृषि और ग्रामीण विकास
b) गृह और जल शक्ति
c) शहरी विकास और स्वास्थ्य
d) रक्षा और ग्रामीण विकास
उत्तर: a) कृषि और ग्रामीण विकास
विश्लेषण: यह ग्रामीण महिलाओं को कृषि में सशक्त बनाता है।

14. विश्व जनसंख्या दिवस 2024 की थीम क्या थी?
a) सभी को शामिल करना
b) महिलाओं और लड़कियों का स्वास्थ्य
c) लैंगिक समानता
d) परिवार नियोजन
उत्तर: a) सभी को शामिल करना
विश्लेषण: यह थीम जनसंख्या डेटा के महत्व पर जोर देती है।

15. भारत की पहली सौर मिशन 'आदित्य-L1' का उद्देश्य क्या है?
a) चंद्रमा का अध्ययन b) सूर्य का अध्ययन c) मंगल ग्रह की खोज
d) क्षुद्रग्रहों का विश्लेषण
उत्तर: b) सूर्य का अध्ययन
विश्लेषण: यह सूर्य की गतिविधियों का अध्ययन करता है।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

समय रहते क्यों डिटेक्ट नहीं हो पाता ब्लड कैंसर

-दबे पांव शरीर में घर कर जाती है ये घातक बीमारी

कैंसर आज की दुनिया में एक ऐसी बीमारी बन गया है, जिसे सुनते ही लोगों के होश उड़ जाते हैं। और जब बात ब्लड कैंसर की होती है, तो डर और भी बढ़ जाता है। ब्लड कैंसर को लीयूकेमिया, लिम्फोमा या मायलोमा के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। यह शरीर की रक्त कोशिकाओं में उत्पन्न होता है और धीरे-धीरे पूरे शरीर में फैल सकता है। यह बीमारी दबे पांव शरीर में घर कर जाती है, क्योंकि इसके लक्षण शुरुआती चरण में अक्सर बहुत मामूली और सामान्य होते हैं।

ब्लड कैंसर के प्रकार

लीयूकेमिया (Leukemia): यह ब्लड कैंसर का सबसे आम प्रकार है। इसमें असामान्य सफेद रक्त कोशिकाएँ बनती हैं जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देती हैं।
लिम्फोमा (Lymphoma): यह कैंसर लिम्फेटिक सिस्टम को प्रभावित करता है। लिम्फ नोड्स सूजने लगते हैं और शरीर संक्रमण के प्रति कमजोर हो जाता है।
मायलोमा (Myeloma): यह कैंसर बोन मैरो में प्लाज्मा कोशिकाओं को प्रभावित करता है, जिससे हड्डियाँ कमजोर होती हैं और शरीर में अन्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं।

समय रहते पहचान में देरी क्यों होती है?

ब्लड कैंसर की पहचान अक्सर समय रहते नहीं हो पाती। इसके कई कारण हैं:
लक्षणों की सामान्यता: ब्लड कैंसर के शुरुआती लक्षण बहुत सामान्य होते हैं, जैसे लगातार थकान, हल्का बुखार, वजन कम होना, त्वचा पर हल्की-सी पीली या नीली रंगत। लोग इन्हें अक्सर साधारण थकान या तनाव से जोड़ देते हैं।
लक्षण धीरे-धीरे बढ़ते हैं: कई बार ये लक्षण महीनों या सालों तक धीरे-धीरे बढ़ते हैं। इसलिए व्यक्ति इसे गंभीर समस्या नहीं मानता।
लक्षण अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते हैं: ब्लड कैंसर के लक्षण अक्सर वायरल संक्रमण, एनीमिया, विटामिन की कमी या सामान्य थकान जैसी बीमारियों से मिलते-जुलते होते हैं। इसलिए डॉक्टर भी शुरुआती चरण में सही पहचान नहीं कर पाते।
लोगों में जागरूकता की कमी: बहुत से लोग ब्लड कैंसर के शुरुआती लक्षणों के बारे में जानते ही नहीं हैं। इसलिए वे समय रहते जांच नहीं कराते।

ब्लड कैंसर के सामान्य लक्षण

अगर आप इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करते हैं, तो समय रहते इस बीमारी का पता लगाया जा सकता है:
असामान्य थकान और कमजोरी: रोज़मर्रा के काम करने में अत्यधिक थकान होना।
बार-बार संक्रमण: सामान्य सर्दी, खांसी या अन्य संक्रमण जल्दी ठीक न होना।
त्वचा पर धब्बे या पीलापन: हल्की-सी पीली त्वचा या त्वचा पर छोटे लाल धब्बे। असामान्य रक्तस्राव या चोट: नाक, मसूड़ों से अचानक रक्तस्राव, या छोटी चोट से भी खून बहना।
हड्डियों और जोड़ों में दर्द: असामान्य हड्डियों या जोड़ों में दर्द महसूस होना।
गांठ या सूजन: गर्दन, बगल या पेट में लिम्फ नोड्स का सूजना।

समय पर जांच क्यों जरूरी है?

ब्लड कैंसर का इलाज शुरुआती चरण में सबसे प्रभावी होता है। समय पर पहचान और इलाज से: रोग की गंभीरता को कम किया जा सकता है। रिकवरी की संभावना बढ़ जाती है। जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनी रहती है। महंगे और जटिल इलाज से बचा जा सकता है।
ब्लड कैंसर की जांच के तरीके
रक्त परीक्षण (Blood Test): सामान्य रक्त परीक्षण में सफेद रक्त कोशिकाओं की असामान्य संख्या का पता लगाया जा सकता है। बोन मैरो बायोप्सी (Bone Marrow Biopsy): बोन मैरो की जांच से कैंसर कोशिकाओं की उपस्थिति की पुष्टि होती है।
इमेजिंग टेस्ट (Imaging Test): जैसे एक्स-रे, सीटी स्कैन या एमआरआई, शरीर के अंगों में असामान्य सूजन का पता लगाने के लिए।
जीन और क्रोमोसोम जांच (Genetic and Chromosome Test): कुछ ब्लड कैंसर जीन और क्रोमोसोम में उत्परिवर्तन के कारण होते हैं।

ब्लड कैंसर से बचाव

हालांकि हर कैंसर से बचाव संभव नहीं है, लेकिन कुछ आदतें इसके जोखिम को कम कर सकती हैं:
स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ: संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद।
धूम्रपान और शराब से बचें: ये आदतें कैंसर की संभावना बढ़ाती हैं।
रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएँ: विटामिन, मिनरल और प्रोटीन युक्त आहार लें।
समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराएँ: विशेष रूप से 40 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोग नियमित जांच कराएँ।
संक्रमण से बचाव: संक्रमण शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है और कैंसर की संभावना बढ़ा सकता है।

यूपी में TGT-PGT भर्ती के नियम बदले, बायोलॉजी फिर से शामिल, नई योग्यता लागू

उत्तर प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में बड़ी खबर सामने आई है। प्रदेश के 4512 माध्यमिक स्कूलों में होने वाली टीजीटी (TGT) और पीजीटी (PGT) भर्ती के नियमों में हाल ही में बदलाव किया गया है। इस बदलाव के तहत अब टीजीटी भर्ती में फिर से जीव विज्ञान (बायोलॉजी) विषय को शामिल किया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि जिन उम्मीदवारों ने बायोलॉजी में पढ़ाई की है, वे अब इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल होकर आवेदन कर सकते हैं। बायोलॉजी को टीजीटी भर्ती से अस्थायी रूप से हटाए जाने के बाद कई उम्मीदवारों में असमंजस की स्थिति बन गई थी। अब इसके पुनः शामिल होने से उम्मीदवारों में उत्साह का माहौल है। शिक्षा विभाग ने इस बदलाव को औपचारिक रूप से लागू कर दिया है और नई योग्यता के साथ आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू होने की संभावना है।

टीजीटी और पीजीटी भर्ती का महत्व

टीजीटी और पीजीटी भर्ती यूपी के शिक्षा ढांचे में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। टीजीटी (Trained Graduate Teacher) शिक्षक उन माध्यमिक स्कूलों में पढ़ाते हैं जहां छात्रों को कक्षा 6 से 12 तक की शिक्षा दी जाती है। वहीं, पीजीटी (Post Graduate Teacher) उच्च माध्यमिक स्तर पर यानी कक्षा 11 और 12 में पढ़ाई कराते हैं। राज्य सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में लगभग 4512 माध्यमिक स्कूल हैं, जहां टीजीटी और पीजीटी शिक्षकों की नियुक्ति की आवश्यकता है। इन पदों पर योग्य उम्मीदवारों की भर्ती से शिक्षा प्रणाली को मजबूती मिलेगी और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी।

बायोलॉजी विषय की वापसी का महत्व

पिछले कुछ वर्षों में बायोलॉजी विषय को टीजीटी भर्ती से हटाने का निर्णय लिया गया था। इस निर्णय के चलते उन उम्मीदवारों को बड़ा झटका लगा था जिन्होंने बायोलॉजी में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई की थी। बायोलॉजी एक प्रमुख विषय है, खासकर विज्ञान संकाय के छात्रों के लिए। अब बायोलॉजी को फिर से शामिल करने से उन लाखों उम्मीदवारों के लिए अवसर खुलेंगे जो लंबे समय से इस भर्ती प्रक्रिया का इंतजार कर रहे थे। इसके अलावा, यह बदलाव राज्य के स्कूल शिक्षा स्तर में विज्ञान विषयों की गुणवत्ता को भी बढ़ावा देगा।

नई योग्यता और आवेदन प्रक्रिया

उत्तर प्रदेश सरकार ने टीजीटी

भर्ती में शामिल होने के लिए नई योग्यता तय की है। इसके अनुसार, उम्मीदवार के पास संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री और शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। विशेष रूप से बायोलॉजी विषय के लिए उम्मीदवारों को जीवन विज्ञान, मानव शारीरिक विज्ञान, प्रयोगशाला कार्य आदि में विशेषज्ञता दिखानी होगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से ही आवेदन करना होगा।

मामले में निष्पक्ष जांच व निर्दोषों को परेशान नहीं करने को लेकर एसडीपीआई ने आयोजित की प्रेस वार्ता

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया राजस्थान की प्रदेश कमेटी द्वारा शुक्रवार को बारां में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन, प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर और बारां ज़िला उपाध्यक्ष अल्ताफ हुसैन ने संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन ने बताया कि बारां की यह घटना दुःखद है जिससे बारां के सौहार्द को क्षति पहुंची और कानून व्यवस्था प्रभावित हुई परन्तु इस घटना को स्थानीय थाना अधिकारी व पुलिस जाब्ते द्वारा टाला जा सकता था, क्यूंकि इस से पहले भी इस प्रकार के पथ संचलन कई अलग अलग मुस्लिम क्षेत्रों से निकलते रहें परन्तु मुस्लिम समुदाय ने कभी उनका विरोध नहीं किया, लेकिन इस बार निकलने वाले पथ संचलन को प्रस्तावित मार्ग से निकाला ही नहीं गया। उक्त प्रकरण में दर्ज एफआईआर संख्या 494/25 में यह अंकित है कि प्रस्तावित मार्ग तालाब पाड़ा था जबकि विवाद का घटना स्थल कौसर कॉलोनी है जो प्रस्तावित मार्ग में शामिल ही नहीं है और प्रशासन द्वारा भी लिखित में कौसर कॉलोनी से संचलन निकालने की कोई अनुमति या जानकारी नहीं दी गई थी। प्रस्तावित मार्ग से निकाले जाने वाले क्षेत्रों के निवासियों को अवगत नहीं कराया गया था। शहर कोतवाल की अदूरदर्शिता व क्षेत्र की पहचान न कर पाने

के कारण वह स्वयं इस बात पर आमादा हुए कि पथ संचलन कौसर कॉलोनी से ही निकलाया जाए जबकि प्रस्तावित मार्ग तालाबपाड़ा था। कौसर कॉलोनी के मार्ग से बलपूर्वक पथ संचलन निकालने की कार्यवाही से पुलिस और स्थानीय क्षेत्र के लोगों में आमना सामना हुआ और इसमें दोनों तरफ से लोग घायल भी हुए जिस से प्रतीत होता है कि इस कार्यवाही में प्रस्तावित मार्ग के निवासियों की भावनाएं आहत हुई, जबकि यह विवाद कोई साम्प्रदायिक या दो समुदाय के बीच न हो कर पुलिस प्रशासन व आम मुस्लिम समुदाय के बीच था। तदुपरांत पुलिस द्वारा दर्ज़ मुकदमे में जो भी मुस्लिम समुदाय के लोग समझाइश कर व्यवस्था संभाल कर प्रशासन के साथ सहयोग कर रहे थे उनको ही न सिर्फ आरोपी बनाया गया बल्कि मौक़े पर उनके साथ दुर्व्यहार भी किया गया।

इस संबंध में ज़िला प्रशासन से अलग अलग संस्थाओं व राजनैतिक दलों के द्वारा संपर्क कर यह अवगत कराया गया कि जो घटना घट चुकी है इसमें साक्ष्य के आधार पर जो लोग व्यवधान कर रहें हैं उन पर ही विधिवत कानूनी कार्यवाही की जाए न कि जो लोग वहां शांत खड़े थे अथवा थाना अधिकारी से वार्ता कर रहे थे किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं कर रहे थे उनको इस मुक़दमें में अकारण परेशान नहीं किया जाए लेकिन अभी भी नाहक कुछ लोगों को बुलाकर हिरासत में लिया जा रहा है। पूरे प्रकरण में अन्य 50 लोगों के नाम पर मात्र केवल सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारियां की जा रही है। घटना के समय वहां पर कई ऐसे लोग जो किसी प्रकार से शारीरिक विरोध नहीं कर रहे थे उनको भी मुक़दमें में शामिल किया गया, स्थानीय पुलिस की कार्यवाही से रोष व्याप्त है और पूरे प्रकरण में राजनैतिक प्रभाव दिखाई प्रतीत हो रहा है। प्रेस वार्ता के माध्यम से ज़िला प्रशासन से मांग करतें हैं कि पूरे प्रकरण में निष्पक्ष जाँच कर के ही कार्यवाही की जाए, पूरे प्रकरण की जाँच किसी तटस्थ अधिकारी द्वारा करवाई जाए एवं जिनके नाम मुकदमें में नहीं है उनको पुलिस कार्यवाही के नाम पर परेशान नहीं किया जाए। इस से पूर्व प्रतिनिधि मंडल ने ज़िला पुलिस अधीक्षक से भी मुलाक़ात कर मामले में निर्दोषों पर कार्यवाही नहीं करने की बात कही। शुक्रवार 12 सितम्बर की इस प्रेस वार्ता में प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बारां ज़िला कमेटी उपाध्यक्ष अल्ताफ हुसैन व अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

मांगरोल में AIITA यूनिट ने 'आइडियल टीचर अवार्ड 2025' का किया आयोजन

शब्बीर हुसैन

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन (AIITA) की मांगरोल यूनिट द्वारा, शनिवार 13 सितंबर 2025 को 'आइडियल टीचर अवार्ड 2025' समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कस्बे के शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करना था। इस सम्मान के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से शिक्षकों ने आवेदन दिए थे। इन आवेदनों में से सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों का चयन करने के लिए एक सात-सदस्यीय समिति का गठन किया गया। समिति ने निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर शिक्षकों का मूल्यांकन किया जिनमें प्रमुख रूप से अख़लाक़ (नैतिकता) और व्यक्तिगत आचरण, सामाजिक गतिविधियां और समाज में योगदान।

बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका, वक्त की पाबंदी और किरदार (चरित्र)-

इन सभी बिंदुओं पर गहन मूल्यांकन के बाद दस शिक्षकों का चयन किया गया, जिन्हें प्रमाणपत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में मास्टर रफीक अहमद, मास्टर एजाज हुसैन, मास्टर मोहम्मद इकबाल, फ़ख़रुद्दीन जी (सीसवाली),

मोहतरमा तरन्नुम परवीन, मोहम्मद सलीम (प्रधानाध्यापक, मदरसा सुंईवालान), मोहम्मद इरफान (अंजुमन मदरसा), मेराज अहमद, वाहिद अनवर, रिजवाना कौसर इसके अलावा, मास्टर ताहिर हुसैन को शिक्षा के क्षेत्र में उनके आजीवन योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता-

कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें AIITA के प्रदेश अध्यक्ष खालिद अख्तर, डॉ. रहीम खान (मीडिया सेक्रेटरी), मास्टर यूनुस अंसारी (प्रदेश सचिव), रिटायर्ड शिक्षक मास्टर शराफत हुसैन भट्टी, रिटायर्ड प्रधानाचार्य मास्टर हाजी शौकत अली मंसूरी, और मुस्लिम कर्मचारी संघ मांगरोल के सलाहकार मास्टर शौकत अली शामिल थे। डॉ. अब्दुल रहीम खान ने अपने संबोधन में शिक्षकों को शिक्षण में आधुनिक तकनीक का उपयोग करने और खुद को बदलते दौर के अनुसार ढालने के लिए प्रेरित किया। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष खालिद अख्तर ने समाज में शिक्षकों के महत्व और उनकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। प्रदेश सचिव युनुस अंसारी ने उपस्थित सभी शिक्षकों को AIITA का परिचय करवाते हुए संगठन से जुड़कर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन मास्टर हैदर अली अंसारी ने किया। कार्यक्रम के अंत में, कार्यक्रम संयोजक और यूनिट सेक्रेटरी मास्टर हैदर अली अंसारी और यूनिट प्रेसिडेंट मास्टर मोहम्मद इरफान ने सभी उपस्थित शिक्षकों और मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान मुस्लिम फ़ोरम के प्रतिनिधि मंडल का बारां दौरा संपन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मुस्लिम फ़ोरम का पाँच सदस्यीय डेलिगेशन शुक्रवार 12 सितम्बर को जयपुर से बारां पहुँचा। इस डेलिगेशन में प्रदेश महासचिव मुहम्मद नाज़िमुद्दीन, जमीयत उल्मा-ए-हिन्द राजस्थान के उपाध्यक्ष हाफ़िज़ मंज़ूर अली, APCR राजस्थान चेप्टर के कन्वीनर सैय्यद सआदत अली, महासचिव, APCR मुज़म्मिल रिज़वी और वेलफेयर पार्टी ऑफ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष वक़ार अहमद शामिल रहे। इनके साथ सलीम अख़्तर असिस्टेंट सेक्रेट्री जमाते इस्लामी हिन्द राजस्थान, जिया उर्रहमान जनरल सेक्रेटरी यूथ फोरम जमाते इस्लामी हिन्द राजस्थान ओर लईक अहमद शहर अध्यक्ष जमाते इस्लामी हिन्द बारां राजस्थान भी मौजूद रहे। डेलिगेशन ने जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों— पुलिस अधीक्षक अभिषेक अडांसु और जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर से मुलाक़ात की। इस बैठक में बारां शहर में सद्भावना और शांति बनाए रखने में प्रशासन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि प्रशासन पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ अपनी जिम्मेदारियाँ निभाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति पर अत्याचार नहीं होने दिया जाएगा और जिले में अमन-चैन बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राजस्थान मुस्लिम फ़ोरम के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन के इस रुख़ का स्वागत किया और भरोसा जताया कि आपसी भाईचारे और सामुदायिक सहयोग से बारां शहर में सौहार्द का माहौल कायम रहेगा।

रामगंजमंडी में 69वीं जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 15 सितम्बर से

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडीशहर की सेफील्ड इंटरनेशनल स्कूल प्रांगण में 69वीं जिलास्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 15 से 17 सितंबर तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में कोटा शहर और जिले के कस्बों की टीमें भाग लेंगी। स्कूल के प्रधानाचार्य मनीष जैन ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। विद्यालय परिवार और विद्यार्थियों में इस आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल है। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को बेहतर खेल माहौल उपलब्ध कराने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल ने खेल मैदान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आयोजनस्थल पर आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की और विद्यालय परिवार को आयोजन को व्यवस्थित बनाने के लिए सुझाव दिए। इस प्रतियोगिता के व्यवस्थित आयोजन से स्थानीय स्तर पर बड़े स्तर की खेल प्रतियोगिताओं को कराने की संभावना बनेगी। नगर पालिकाध्यक्ष मेड़तवाल ने कहा कि बाहर से आने वाले सभी विद्यार्थियों और टीमों का रामगंजमंडी में विशेष स्वागत किया जाएगा। नगरपालिका की ओर भी से उन्हें हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन से रामगंजमंडी में भविष्य में और भी बड़े स्तर के खेलों के आयोजन का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुशायरा: शायरा नैना नसीब की गजलें दिलों में उतरी

तलवारों से बच्चों के मुकद्दर नहीं बनते....

बारां (रॉयल पत्रिका)। रात्रि डोल मेला रंगमंच पर अखिल भारतीय मुशायरें में गुरूवार को शेर-ओ-शायरी के दौरान गजलों, व्यंग

और कौमी एकता के मिसरों का श्रोताओं ने देर रात तक लुत्फ उठाया। मुशायरों को सुनने के लिए जिलेभर से श्रौता रंगमंच प्रांगण में पहुंचे। शायर इस्माईल नजर के बेहतरीन संचालन में हैदराबाद से आए आरिफ सैफी ने मुशायरें का आगाज करते हुए शायराना अंदाज में मौजूदा राजनीति पर तंज कसें तो बिजनौर के फाकिर अदीब ने आज के हालातों पर व्यंग्य किया। सैफी ने- दम है तो कुदरत से टकराकर दिखा, जितने जुगनू है हिमायती तेरे, उनसे कह- सूरज बनाकर तो दिखा..... तथा दबा के रखोगे जिस सब्र से खामोशी को वो जलजले की जुबां भी एकदिन बोलेगा जैसे मिसरे से जोरदार कटाक्ष किया। मंच की शान नैना नसीब ने गजल, मोहब्बत में फिर इक कहानी हुई है वो भोली सी लड़की अब सयानी हुई है.... से दर्शकों की दाद पाई तो तेरा भगवान जैसा है, खुदा मेरा भी वैसा है, यह है काशी के जैसा और वो काबे के जैसा है.... जैसे कोमी एकता के मिसरे में श्रौताओं को सम्मोहित किया। इस्माईल नजर के शेर लब्जों को सजा लेने से मन्जर नही बनते, हर कागजी पानी से समन्दर नही बनते। तलवार अगर मुफ्त मिलती हो तो मत लो, तलवारों से बच्चों के मुकद्दर नही बनते.... से श्रौताओं में जोश भरा। मिसम गोपालपुरी की गजल फूल चुभते है मेरे जिस्म में खारों की तरह.... तथा मोहन मुंतजिर ने शायरी में मां की महिमा के बखान को बखूबी जाहिर किया। जूनेद अख्तर, कुंवर जावेद, शायर साबिर, शायर समर, शफीउद्दीन राही, डॉ. ईमान असलम और कमर आबदी ने अपनी शायरी और उर्दु की मीठी जुबां में गजलें पढी। शायरों की इस जमात में शायर सज्जाद झंझट डायमण्ड बनकर उभरें। उन्होने अपने शेरों में हास्य का तड़का लगाते हुए- इतना तरसाया है शादी की तमन्ना नें मुझे, अब हर शख्स मुझे अपना ससुर लगता है.... से श्रौताओं को गुदगुदाया। मुशायरें में उर्दु की मीठी जबांन से अन्य शायरों ने भी अपने कलाम प्रस्तुत कियें। मुशायरें की अध्यक्षता पीटीआई अनवर अली ने की। कार्यक्रम की शुरूआत में सभी शायरों समेत अतिथि लियाकत अली, डॉ. सीमा मांगरोल, जाकिर मंसूरी, डॉ. असगर, अशरफ देशवाली, प्रो. शमशाद अहमद, शेख बहादुर, रईस फैजी, नासिर मिर्जा, शाहिद कुण्डी, रईस भाई, साजिद भाई, सलीम भाई शटर वाले, सलाम मंसूरी, माजिद सलीम, मन्नू पठान, शाहीद भाई, शाहिद इकबाल, जाकिर हुसैन, अब्दुल कदीर, पिन्कु भाई, शकूर भाई, रहीम भाई, साबिर हुसैन, अजहरउद्दीन, मजूर भाई, नदीम भाई आदि का मेलाध्यक्ष प्रतिनिधि पुरूषोत्तम नागर, प्रदीप विजयवर्गीय, यशवंत अर्जुन, परवेज खान, नरेन्द्र कुमार, शिवराज महावर और उवेश शेख ने माल्यापर्ण और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

विशेष अभियान के तहत अंता विधानसभा उपचुनाव की तैयारी, मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

बारां (रॉयल पत्रिका) । अंता विधानसभा क्षेत्र (193) में आगामी उपचुनाव को लेकर रविवार को विशेष अभियान के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु भी उनके साथ मौजूद रहे। कलक्टर ने पलायथा, अंता, बालाखेड़ा, बालदड़ा, बड़गांव अंता सहित कई मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर मौजूद ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें मतदान के महत्व से अवगत कराया और सभी को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केन्द्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) की उपस्थिति सुनिश्चित की तथा उनसे मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियों की स्थिति की जानकारी ली। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत निर्वाचन अधिकारियों ने भी मतदान केन्द्रों का अवलोकन किया और आवश्यक व्यवस्थाओं का आकलन किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष अभियान के तहत प्राप्त सभी दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 25 सितम्बर, 2025 तक कर दिया जाएगा। इसके बाद 1 अक्टूबर, 2025 को मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने सभी मतदान केन्द्रों पर सुगम व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि आगामी उपचुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संपन्न हो सके।

कोटा बैटरी एसोसिएशन की आमसभा व स्नेह मिलन समारोह संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका) । कोटा बैटरी एसोसिएशन की वार्षिक पिकनिक रविवार 14 सितम्बर को, आम सभा व स्नेह मिलन समारोह निजी रिसोर्ट में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष रवि नाकरा ने लीथियम बैटरी ओर उसकी तकनीक के बारे में विस्तृत प्रकाश डाला। एसोसिएशन के महासचिव सुरेश आनन्द ने देश विदेश में नई तकनीक लीथिएम व सोलर बैटरी की उपयोगीता ओर उसके महत्व पर विस्तृत चर्चा की। कोटा बैटरी एसोसिएशन के अध्यक्ष सलीम अब्बासी ने बैटरी व्यवसाय में आ रही परेशानियों ओर उसके

समाधान एंव नवीन तकनीक ओर बैटरी की उपयोगिता के बारे में लोगों को बताया। इस अवसर पर संस्था की तरफ से लक्की ड्रा का आयोजन किया गया। सभा में राजकुमार गेरा, सुरेंद्र कुमार, जितेंद्र सिंह, मुकीम कादरी, बलराज, राजेंद्र पाल, जमुना उस्ताद, संजय नाकरा, खैमराज सुमन, अज़ीज़ भाई, बलदेव गेरा आदि का सम्मान किया गया। प्रोग्राम को कामयाब बनाने के लिए सभी उपस्थित सम्मानित सदस्यों का संस्था द्वारा आभार प्रकट किया गया।

शहर के वार्ड नं.02 में सीसी रोड़ निर्माण के लिए सभापति प्रदीप सिंह ने किया भूमि पूजन

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ शहर के वार्ड नं.02, रेतवाड़ा पुलिया,गौशाला मार्ग झालावाड़ पर 14 सितम्बर 2025 को नगरपरिषद सभापति प्रदीप सिंह राजावत द्वारा सीसी सड़क का निर्माण हेतु भूमि पूजन विधि विधान के साथ किया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद वार्ड नं. 02 के सुजीत कश्यप (राम) भी मौजूद रहे तथा उन्होंने बताया कि यह समस्या वार्ड वासियों की काफी समय से चल रही थी इसके लिए अथक प्रयास किये गये तब जाकर आज इसका निर्माण हो रहा है इससे वार्ड वासियों सहित इस पर निकलने वाले शहर के सभी राहगीरों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा तथा वार्डवासियों की सभी समस्याओं तथा उनको सुविधा दिलवाया जाना मेरा लक्ष्य रहा है। इस अवसर पर वार्ड वासियों द्वारा सभापति प्रदीप सिंह राजावत व वार्ड पार्षद सुजीत कश्यप (राम) का फूल माला पहना कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारीगण प्रकाश वर्मा, शम्भू लोधा सत्यप्रकाश सेन, रूपनारायण चौरसिया, शंकर

कश्यप, सूरजमल कश्यप पार्षद दीपक स्वामी, ईनाम जफर, राजू सुमन, पवन बैरवा, अशोक कहार, कमल कश्यप, अनिल सुमन तथा वार्डवासी गिरिराज सुमन, बन्टी, अमन, कुणाल, छोटू, मन्नू पाठक, नन्दकिशोर, असलम भाई, आबिद भाई अजीज भाई आदि मौजूद रहे।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए चंदा संग्रह अभियान

-जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां की सराहनीय पहल

बारां (रॉयल पत्रिका)। पंजाब में हाल ही में आई भयंकर बाढ़ ने हजारों परिवारों को गहरे संकट में डाल दिया है। इस आपदा से

प्रभावित लोगों की मदद के लिए जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां ने इंसानियत और भाईचारे का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। बुधवार को संगठन ने बारां शहर के कई इलाकों में चंदा संग्रह अभियान चलाया, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अभियान के तहत कौसर कॉलोनी, अंजुमन चौराहा, श्योपुरियांन मस्जिद और अन्य मोहल्लों में वोलेंटियरों ने घर-घर जाकर सहयोग की अपील की। इस पहल को देखते हुए समाज के हर तबके ने योगदान दिया। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं और युवाओं ने भी बड़ी संख्या में भागीदारी की। इस अभियान से 1 लाख रुपये की राशि एकत्रित हुई, जो संकट की इस घड़ी में समाज की एकजुटता और करुणा का प्रतीक है। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां ने स्पष्ट किया है कि एकत्रित धनराशि को जल्द से जल्द पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों तक पहुँचाया जाएगा। इस फंड का उपयोग पीड़ित परिवारों को भोजन, कपड़े, दवाइयाँ, अस्थायी आश्रय और अन्य आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराने में किया जाएगा। संगठन का उद्देश्य केवल आर्थिक मदद देना ही नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों को यह संदेश पहुँचाना भी है कि वे अकेले नहीं हैं—पूरा देश उनके साथ खड़ा है। अभियान के दौरान वोलेंटियरों ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए यह भी बताया कि संकट के समय में हर छोटी-बड़ी मदद महत्वपूर्ण होती है।

समाज का यह उत्साह और सहयोग इस बात का प्रमाण है कि मानवता और आपसी भाईचारा ही किसी भी मुश्किल घड़ी का सबसे बड़ा सहारा है। इस अवसर पर जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां की ओर से सभी दानदाताओं, वोलेंटियर्स और स्थानीय निवासियों का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया गया। संगठन ने कहा कि इस तरह के सामूहिक प्रयास न केवल पीड़ितों को राहत पहुँचाते हैं, बल्कि समाज में एकता और करुणा की भावना को भी मजबूत करते हैं। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां आगे भी समाज की भलाई और मानवीय सेवाओं के लिए ऐसे कदम उठाती रहेगी और आम जनता से अपील करती है कि वे भविष्य में भी राहत और पुनर्वास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

लोक अदालत में राजीनामे से 2110 प्रकरण निबटाए

- 1.31 करोड़ की राशि वसूल किए

रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। शहर के न्यायालय परिसर में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देश पर शनिवार को न्यायालय खैराबाद के कुल 1871 मामलों का निबटारा कर करीब 40 लाख की वसूली की। दोनों बैंचों ने मिलकर इस राष्ट्रीय लोक अदालत

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान प्री-लिटिगेशन, राजस्व और राजीनामा योग्य लंबित मुकदमों का निबटारा किया गया। जिसमें अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रामगंजमंडी शैलेरा जडिया और अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुमन मौणा की बैंचों ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोक अदालत में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रामगंजमंडी शैलेश जडिया की बैंच ने कुल 239 मामलों का निचटारा किया। जिसमें 28 लंबित और 211 प्री-लिटिगेशन के मामले शामिल रहे। जिसके तहत 5 एमएसरीटी मामलों में पीड़ित पक्षों को 54 लाख हजार की क्षतिपूर्ति राशि जारी की गई। साथ ही प्री-लिटिगेशन के 211 मामलों में 36 लाख 84 हजार रुपए की राशि वसूली हुई। इस प्रकार बैंच ने करीब 91 लाख कीन्यायिक मजिस्ट्रेट रामगंजमंडी सुमन मीणा की बैंच ने एसीजेएम कोर्ट, एमजेएम कोर्ट और ग्राम में कुल 2 हजार 110 मुकदमों का निबटारा कर लगभग 1 करोड़ 31 करोड़ की राशि वसूल की। इस लोक अदालत में बिजली विभाग के बिल भुगतान से जुड़े मामलों और 6 महीने से अधिक पुराने लंबित कैमरा चालानों के निपटारे पर विशेष ध्यान दिया गया। शैलेश जडिया ने बताया कि लोक अदालत से राजीनामा होने पर आपसी प्रेम और भाईचारा बना रहता है, जिससे विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है। लोकअदालत को सफल बनाने में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मोड़क एवं खखैराबाद के शाखा प्रबंधक, अधिवक्ता अरुण सक्सेना, रोहित पाटीदार, भगत सिंह और धीरज गुप्ता, साथ ही जेवीवीएनएल रामगंजमंडी, सुकेत एवं चेचट के पदाधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा। तालुका विधिक सेवा समिति रामगंजमंडी के अध्यक्ष शैलेश जडिया ने आभार जताकर राष्ट्रीय लोक अदालत का समापन किया।

आम मुस्लिम समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

-दूल्हा-दुल्हन के विवाह शगुन नारियल व दुल्हन के बेस परिवार परिजनों को बैठक में सुपुर्द किए

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक संस्था मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति पाली की और से दिनांक

12 अक्टूबर 2025 को मात्र एक रुपए में तीसरा आम मुस्लिम समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर ने बताया कि इस सामूहिक सम्मेलन की तैयारियों हेतु रविवार को हैदर कॉलोनी साल वाले बाबा दरगाह परिसर में दूल्हा दुल्हन के परिजनों व कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। जिसमें दूल्हे के परिजनों को विवाह का नारियल शगुन के रूप में दिया गया व दुल्हन के परिवार जनो को निकाह का जोड़ा दिया गया तथा निकाह सम्मेलन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए। कार्यकम की शुरुआत ईदगाह पेश इमाम मौलाना दानिश कफील के तिलावते कुरान व मोहम्मद सलीम मिस्कीन द्वारा नात ख्वानी से हुई। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के रंगरेज समाज सदर हाजी आबिद अली, हाजी सरफराज अली चूडिगर लोहार समाज सदर मोहम्मद रफ़ीक चौहान, पिंजारा समाज सदर हाजी हाजी मोहम्मद यूसुफ, जिला मुस्लिम समाज प्रवक्ता शक़ील अहमद नागौरी, फाउंडेशन सदर मेहराज अली, एडवोकेट निसार मोहम्मद इत्यादि वक्ताओं ने मुस्लिम समाज मे सादगी के साथ सामहूहिक विवाह को बढ़ाने के साथ निकाह को आसन बनाने के साथ समाज मे सादगी सरलता अपनाने के साथ कुरीतियों को दूर करने के बड़े कदम उठाने की आवश्यकता बताया। प्रवक्ता खालिद कादरी ने बताया कि इस मौके पर सामूहिक विवाह सम्मेलन कमेटी के अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर, संयोजक जाकिर गौरी, नायब सदर शकील अहमद नागौरी, जहिर अली मकरानी, सत्तार पठान, चांद अली संजरी, इकबाल भाई मोयल, इंसाफ अली साता वाले, हसन चौहान, इंसाफ सोलंकी, अकरम खिलेरी, रईस सोलंकी, अफजल पठान, अरबाज खान अज्जू, आरिफ नवीन, रफीक सोलंकी, सलीम फ्रूट वाले, गुड् भाई, फकीर मोहम्मद चढ़वा, वाहिद खान, यासीन सबावत, अय्यूब समीर खान मोयल, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

करोड़ों की लागत फिर भी खस्ताहाल हाइवे एनएच 68

-वाहन चालकों को सता रहा हादसे का डर गड्ढ़ों की भरमार, प्रशासन मौन

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर से गुजर रहा नेशनल हाइवे 68 इन दिनों आसु बहा रहा है। सांचौर से गांधव के बीच करीब 45 किमी का हिस्सा गहरे गड्ढो में तब्दील हो गया है। हालात यह है कि हर

किलोमीटर पर 100 से ज्यादा दो फीट गहरे बड़े-बड़े गड्ढे मिलते है।

इस कारण एक घण्टे का सफर तय करने में दो गुना से भी ज्यादा समय लग रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इतने गड्ढे तो गांवों की गलियों में भी नही मिलते, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोज हजारों वाहन इन गडढ़ो से होकर हजारों वाहन गुजरने को मजबुर है। जानकारी के अनुसार एनएच 68 का वर्ष 2022 में करीब 32 करोड़ रूपए की लागत से पुनर्निर्माण किया गया था। तीन साल में दस से ज्यादा बार पुरी तरह बिखर गया। मरम्मत के नाम पर एनएचआई विभाग हर साल 3 करोड़ रूपए खर्च करने का दावा करती है, लेकिन हकीकत यह है कि अब तक किसी तरह की ठोस कार्रवाई शुरू नही हुई है। ग्रामीणों और वाहन चालकों का कहना है कि गावों की साधारण सड़कों की हालात नेशनल हाइवे से बेहतर है। अगर जल्द ही सुधार कार्य शुरू नहीं हुआ तो यह मार्ग लोगों के लिए और भी खतरनाक साबित हो सकता है। जिसमें दुपहिया वाहन चालक तो अपनी जान हथेली में लेकर इस नेशनल हाइवे को पार करते है कही नजर हटते ही दुर्घटना का शिकार हो जाते है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह बदहाली सिर्फ सांचौर सीमा तक ही सीमित है।

बाड़मेर बॉडर के गांधव से लेकर गुजरात सीमा गरड़ाली तक को पार करते ही जैसे गुजरात की सीमा में वाहन पहुंचा सड़क सरपट और सही हालात में नजर आती है। आखिर ऐसा सौतेला व्यवहार सांचौर की जनता के साथ क्यू ?

हाइवे अपने बदहाली के आसु बहा रहा है गड्ढों की भरमार इतनी हो चुकी है कि वाहन चालक सांचौर के गुजरने के बाद दोबारा कभी सांचौर के नेशनल हाइवे पर ना आऊ। ऐसी गुहार लगा रहे है प्रशासन मौन आखिर ऐसा व्यवहार सांचौर की जनता के साथ सरकार क्यु कर रही है।

खैरवा मारवाड़ जंक्शन रोड पर भरा पानी

पाली (रॉयल पत्रिका)। खैरवा से मारवाड़ जाने वाले रास्ते पर कब्रिस्तान के पास पी डब्ल्यू डी द्वारा जो रोड और पुलिया निर्माण कराया गया था। उस पुलिए के अंदर छोटे-छोटे पाइप डालने की वजह से आज बरसात के मौसम में में रोड पर 2 से 3 फुट पानी भर गया हैं। जब पुलिया का निर्माण कराया जा रहा था उस समय ठेकेदार और अधिकारियों को अवगत करा दिया गया था कि पानी ज्यादा आता है। यहां पर बड़े-बड़े पाइप डालने पड़ेंगे लेकिन अधिकारियों ओर ठेकेदार की उदासीनता के कारण आज खैरवा मारवाड़ रोड पर इतना पानी भर चुका है कि पानी कब्रिस्तान की दीवार और खेतों में जाने वाले रास्ते पर तीन से चार फीट पानी भरा हुआ है। जिस कारण कभी भी कब्रिस्तान की दीवार गिर सकती है और कोई हादसा हो सकता है। रोड पर पानीभराव के कारण आने जाने वाले राहगीरों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और पानी का भराव कब्रिस्तान के अंदर तक जा चुका है। जिससे कब्रिस्तान के अंदर भी कहीं कब्रों की स्थिति खराब हो चुकी है। ठेकेदार की अनदेखी के कारण आज खैरवा ग्राम वासियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। वजीर खान कायमखानी ने प्रशासन से कहा कि तुरंत प्रभाव से ऐसी को व्यवस्था कराए की कब्रिस्तान के पास और खेत में आने जाने वाले रास्ते पर पानी इकठ्ठा न हो।

69वीं जिला स्तरीय विद्यालय वूशु एवं ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य उद्घाटन झूपेलाव में हुआ

सोजत (रॉयल पत्रिका)। ग्राम झूपेलाव में 69वीं जिला स्तरीय विद्यालय वूशु एवं ताइक्कांडो प्रतियोगिता 2025-26 (छात्र-

छात्रा,17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग) का भव्य उद्घाटन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक एवं केबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण दवे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राहुल राजपुरोहित, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), पाली ने की। सोजत विधायक शोभा चौहान, ग्राम सरपंच योगेन्द्र सिंह कुम्पावत, एवं आयोजक संस्था प्रधान पद्म सिंह सांदू (राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झूपेलाव) ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पाली जिले से 242 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे कार्यक्रम में ग्राम वासियों ने तन-मन-धन से बढ़-चढ़कर सहयोग किया। ग्रामवासियों की सहभागिता, प्रेम एवं आयोजकों द्वारा किए गए उत्कृष्ट इंतज़ामों की जिले से आए दल प्रभारियों ने भरपूर सराहना की। आयोजन स्थल को सजाने, खिलाड़ियों के स्वागत और व्यवस्थाओं में ग्राम वासियों की भूमिका काबिले तारीफ़ रही। जज़्बा हो दिल में तो मंज़िलें खुद चलकर आएँगी, खेल मैदान में मेहनत की लौ हर दिल में जल जाएँगी। इस दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में गजेंद्र सिंह, गोपाल सिंह, रूप सिंह, नरपत सिंह, जालम सिंह, कालू सिंह, योगेन्द्र सिंह, जसपाल सिंह, सुमन लोहिया, पप्पू सिंह, विक्रम सिंह, बुद्धा राम प्रजापत सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन हीर सिंह राजपुरोहित ने कुशलतापूर्वक किया। हमने अपने ख्वाबों को मेहनत से सजाया है, मैदान में उतर कर हर संघर्ष को अपनाया है। यह प्रतियोगिता युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और आपसी समन्वय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई। आयोजन स्थल पर उमड़ा जनसमूह और बच्चों का उत्साह आने वाले समय में जिले में खेलों के विकास की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल है। मिलकर खेलें, मिलकर बढ़ें, यही है खेल की पहचान, इंसानियत, अनुशासन और दोस्ती– यही है असली सम्मान।

सिविल सेवा अंतर जिला बास्केटबॉल, वॉलीबॉल प्रतियोगिता- विजेता टीमें सेमीफाइनल में पहुंची

-बास्केटबॉल में पाली ने जैसलमेर को हराया

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य अंतरजिला 10वीं सिविल सेवा बॉस्केटबॉल पुरुष एवं 9वीं सिविल सेवा वॉलीबॉल पुरुष प्रतियोगिता

2025-26 के तहत रविवार को पाली में क्वार्टर फाइनल मुकाबले सम्पन्न हुए। बॉस्केटबॉल के मैच बांगड़ स्कूल में तथा वॉलीबॉल के मैच बांगड़ स्टेडियम में खेले गए। वॉलीबॉल सिविल क्वाटर फाइनल प्रतियोगिता में डीडवाना कुचामन वर्सेज सचिवालय के बीच मैच खेला गया जिसमें डीडवाना कुचामन टीम विजेता रही। इसी प्रकार पाली वर्सेज उदयपुर में उदयपुर विजेता, सीकर वर्सेज भीलवाड़ा मैच में भीलवाड़ा, ब्यावर वर्सेज चुरू में ब्यावर जिले की टीम विजय रही है।

बास्केटबाल में क्वाटर फाईनल मैच में पाली ने जैसलमेर को हराया-

बॉस्केटबॉल क्वाटर फाइनल मैचों में जैसलमेर वर्सेज पाली के मुकाबले में पाली जिले की टीम ने जीत हासिल की। इसी प्रकार गंगानगर वर्सेज बीकानेर में बीकानेर, हनुमानगढ़ वर्सेज चुरू में खले गए मैच में हनुमानगढ़ विजेता रहा। भीलवाड़ा वर्सेज बाडमेर की बीच मैच में बाड़मेर विजय रहा। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के उम्दा प्रदर्शन और रोमांचक मुकाबलों से खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल रहा। विजेता टीमें अब सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। समापन समारोह 15 सितमबर को बांगड स्टेडियम में 12 बजे आयोजित होगा जिसमें अनेक जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण भाग लेंगे।

चोटिला मेला में शिरकत के लिए सांसद इमरान मसूद को दिया निमंत्रण

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली में सहारनपुर सांसद इमरान मसूद को पाली विधायक भीमराज भाटी और सदर अमजद अली रंगरेज ने पश्चिम राजस्थान के सबसे बड़े चोटिला मेले का निमंत्रण पत्र भेंट किया। सांसद साहब ने विश्वास दिलाया कि वह इंशाअल्लाह मेले में ज़रूर शिरकत करेंगे। इस मौके पर पाली विधायक भीमराज भाटी जी, सदर अमजद अली रंगरेज, जिशान अली रंगरेज और सद्दाम हुसैन, अनवर मोयल मौजूद

रहे।

शायर इदरीश राज खत्री अध्यक्ष बने, मंसूर अकादमी का हुआ गठन

- अब्दुल मन्नान को सचिव चुना गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर चूरू के मशहूर शायर मंसूर चूरूवी की स्मृति में

क्षेत्र में साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन के लिए शनिवार को मंसूर एकेडमी चूरू का गठन किया गया। नगरश्री के सचिव श्यामसुंदर शर्मा की अध्यक्षता में राणाजी के नोहरे में आयोजित बैठक संस्था के गठन, संविधान और प्रस्तावित गतिविधियों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से वरिष्ठ शायर इदरीश राज खत्री को अध्यक्ष, अब्दुल मन्नान मजहर को सचिव, सेवानिवृत्त एडिशनल एसपी इस्मायल खान को कोषाध्यक्ष एवं साहित्यकार कुमार अजय को उपाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर मख्दूम अहमद मख़्दूम, इमरान अहमद, दीपक कामिल, मुबारक अली भाटी, रमेश कुमार सोनी, अनवर अली, महमूद अली राणा, फजले हक आदि मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मंसूर चूरूवी क्षेत्र के नामचीन शायर थे जिनकी रचनाएं देशभर में पढ़ी और सुनी जाती रही हैं। उन्होंने देशभर में विभिन्न मुशायरों में शिरकत की और अपनी शायरी से जोरदार मुकाम हासिल किया।

राजस्थान कायमखानी महासभा की ओर से छात्रावास में भामाशाह सम्मान समारोह 20 सितंबर को होगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान कायमखानी महासभा, चुरू

जिला इकाई की तरफ से आज चुरू कायमखानी छात्रावास का भ्रमण किया गया ओर वहां आने वाली 20 सितंबर 2025 को होने वाले "भामाशाह सम्मान समारोह 2025" पर चर्चा के लिए चुरू जिला अध्यक्ष मुंशी खान चाँदखानी, शहर अध्यक्ष रमजान खान जोईया, महासभा के पदाधिकारी भंवरू खान ठेकेदार, इकबाल खान कबीरखानी, आमीन खान आदि ने छात्रावास का भ्रमण किया.., ओर चुरू कायमखानी छात्रावास कमेटी अध्यक्ष जब्बार खान अलफखानी ने बताया कि भामाशाह सम्मान समारोह यहां कायमखानी छात्रावास में सुबह 10:00 बजे शुरू होगा जिसमें जिले भर से भामाशाह जिन्होंने छात्रावास में सहयोग किया है उनका सम्मान किया जाएगा और उनकी टीम से वहां हो रही तैयारियों के बारे में जानकारी दी...! ओर एक शानदार सफल आयोजन होने को लेकर पूरी टीम की हौसला अफजाई की... इसके साथ ही जिला अध्यक्ष मुंशी खान ने बताया कि कल से वार्डों ओर देहातों का दौरा किया जाएगा और कॉम के जिम्मेदारों से ज्यादा से ज्यादा रुबरु होकर सम्मान समारोह को सफ़ल बनाते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों के शामिल होने के लिए उन्हें आमंत्रित किया जाने का काम किया जाएगा..। इस मौके पर छात्रावास कमेटी ओर राजस्थान कायमखानी महासभा के पदाधिकारीगण के अलावा ज़ाकिर खान के.के., शहबाज खान, गफ्फार खान, पप्पू भाई, अख्तर रुकनखानी आदि उपस्थित रहे...!

शाही इमाम मुख्य चीफ काजी मोहम्मद अली के 50 साल की सेवा के बाद रिटायरमेंट पर कार्यक्रम आयोजित

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। उपखंड शहरी क्षेत्र लाडनूं के शाही इमाम मुख्य चीफ शहर काजी मौलाना सैयद मोहम्मद अली अशरफी साहब के बासनी से रिटायरमेंट होने के विशेष मौके पर लाडनूं के मालासी रोड़ स्थित नवनिर्मित मदरसा मे दावत ए आम का प्रोग्राम रखा गया। इस मौके पर सर्वसमाज व मुस्लिम समुदाय के गणमान्य नागरिको ने अपने-अपने तरीके से साफा माला और शाल ओढ़ाकर तथा प्रशस्ति पत्र देकर के सैयद मोहम्मद अली असरफी साहब का दिल की गहराईयो के साथ इस्तकबाल किया और मुबारकबाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर शहर के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रतिष्ठित डॉक्टर बी एस टंडन साहब भी तशरीफ़ लाए इतनी अधिक उम्र के बावजूद भी काजी साहब से उनका लगाव देखने लायक था वाकई जज्बा और सच्ची नियत हो तो कुछ भी मुश्किल नहीं। इस मौके पर राजकीय चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर चैनाराम चौधरी, डॉक्टर जुगल किशोर, डॉक्टर अभिमन्यु, मुफ्ती साहेबान औलमा ए किराम, एतराफे लाडनूं

के अनेकों गांवों से आए मौअजीज लोग, लाडनूं की आवाम, निजी स्कूलों के संगठन एवं अल्पसंख्यक कर्मचारी अधिकारी संगठन, लाडनूं की सभी तंजीमों के सदस्यों, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षा अनुदेशक संघ एवं कम्प्यूटर अनुदेशक संघ ने काजी साहब का इस्तकबाल किया। इस मौक़े पर केप्टन हिम्मत खा, केप्टन ताजू खां, नानू खा, ग़ुलाम खा, डीडवाना शहर के चीफ इमाम रेहान उस्मानी साहब, सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी, पुर्व पार्षद फैजू खां मलवाण, अजीज खां, इदरीस खां, शब्बीर खां लाडवाण, पार्षद अयुब खां साहबखानी, सैयद मोहम्मद मुश्ताक़, अ रजाक उजीरखानी, रौशन खां, रणजीत खां, बाबू लखारा, अयूब शेख, असगर शेख, मास्टर अख़्तर बल्खी और लाडनूं के गणमान्य नागरिक आदी मौके पर मौजूद रहे।

राणासर ग्राम वासियों द्वारा पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री की गाड़ी रवाना की गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती राणासर ग्रामवासियो ने पंजाब बाढ़ पीड़ित लोगों के लिए इस मुसीबत की

घड़ी में इन्शानियत का फर्ज निभाते हुवे मदद स्वरूप रोजमर्रा का सामान की पिकअप रवाना की जिसमें प्रतिदिन काम आने वाले सामान जैसे गदा, कम्बल, पुरुष के कपड़े, शर्ट, नाइटी, अंडर गारमेंट्स, चप्पल, लेडीज शूट, अंडर, गारमेंट्स, पैड, चप्पल, बचे का कपड़े, टावल, डायपर, चप्पल, 4 प्रकार की टैबलेट्स, विक्स, मोमबत्ती, माचिस, 10kg आटा, कॉलगेट ब्रश, आचार 500gm, मॉर्टिन, तिरपाल 15 से 12 एवं पशु धन के चारे के लिए भी एक पिकअप भेजी जा रही है। सामान की पिकअप शाम असर की नमाज के बाद रवाना की गई है पिकअप रवानगी के दौरान गांव के दाऊद खां, गफ्फार खां, अकरम खां, सद्दाम खां, मजीद खां (सरपंच प्रतिनिधि), मुमताज़ खां, मुशताक खां, नवाब खां, हिदायत खां, यूनुस खां, जाफर खां, जीवण खां, यासीन खां, सिकंदर खां, कयूम खां, रफीक खां, रियासत अली खां, अदरीश खां, शाहरुख़ खां, आशिफ खां, अमजद खां, नजीर खां, सलेमदिन खां, इक़बाल खां, भंवरु खां, मुबारिक खां, इमरान खां, वसीम अकरम, हाकम अली खां आदि उपस्थित रहे। सामान के साथ गांव के युवा गफ्फार खान, वसीम अकरम, सद्दाम खान, दाऊद खान, अकरम खान, शाहरुख़ खा, मुबारिक खान, इमरान की टीम के साथ रवाना किया गया।

इंसानियत एकता सेवा समिति की वार्षिक बैठक सफलतापूर्वक संपन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित नई सड़क इंसानियत एकता सेवा समिति की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता

एडवोकेट इब्राहीम गौरी ने की। बैठक में आगामी वर्ष से करियर गाइडेन्स प्रोग्राम, वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह सहित कई अन्य बिंदुओं पर विचार विमर्श कर निर्णय लिया गया। साथ ही बैठक में समिति की कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया,जिसमें अध्यापक आवेश कुरैशी व अध्यापक वसीम अली को उपाध्यक्ष, एसीएमएचओ डॉ. अहसान गौरी व आमीन खान सहजूसर और रफीक कुरैशी को संरक्षक, एडवोकेट इब्राहीम गौरी को सलाहकार, नवज्ञान ज्योति सी.सै स्कूल के निदेशक अरशद खान को सह-सलाहकार, डॉ. शाहरुख खान आसलसर को सहायक सचिव, सुलेमान मनीहार को सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। बैठक में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महमूद अली राणा, कोषाध्यक्ष रियाज अहमद खान, व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान, मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान, संयोजक नौशाद खान, समाजसेवी गुलाम हुसैन गौरी, अध्यापक इमरान बी खान, डॉ. शाहनवाज खान, डॉ. अखतर खान, अरशद खान एलटी, हुसैन खान, अकरम खान, अयूब खान, महबूब खान, रेहान खान, जाकिर अली खान, अबरार खान, सोहेल खान, मोती खान, आदिल कुरैशी, कयूम कुरैशी आदि मौजूद रहे। समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने सभी का आभार जताया। बैठक का संचालन अध्यापक आवेश कुरैशी व अध्यापक अजीज खान ने संयुक्त रूप से किया।

चहारम प्रतिभा सम्मान समारोह 28 सितंबर को सुमेरपुर में होगा आयोजित

पाली/सुमेरपुर (रॉयल पत्रिका)। देशवाली शेख बिरादरी युवा इंतेजामिया विकास समिति गोड़वाड़ द्वारा 28 सितंबर को सुमेरपुर के विजियराजे सिंधिया टाऊन हॉल में आयोजित किया जा रहा है। बिरादरी के सदर हाजी अब्दुल सत्तार गौरी ने बताया कि इस समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

इसमें बिरादरी के प्रदेशाध्यक्ष हाजी सत्तार खान बेहलीम, सदर हाजी अब्दुल सत्तार गौरी, नायब सदर एडवोकेट मोहम्मद सफी, सैक्रेट्री बरकत अली शेख, जनरल सैक्रेटरी अल्लाहरखा खां, संयोजक हबीब शेख, प्रचार मंत्री नियाज मोहम्मद, खांजाची हाजी मोहम्मद ईसाक साबरी प्रोग्राम के सफल आयोजन के लिए जुटे हुए हैं।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

भाजपा की डबल इंजन सरकार बार-बार उड़ा रही संविधान की धज्जियां- धर्मेंद्र राठौड़

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने रविवार 14 सितम्बर को अजमेर के गांधी भवन चौराहे पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के खिलाफ भाजपा के किए प्रदर्शन पर निशाना साधा और इस प्रदर्शन की कड़े शब्दों में निंदा की। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने मीडिया को जारी बयान में भाजपा के प्रदर्शन पर सवाल खड़े किए और उन्हीं को कठघरे में खड़ा कर दिया। राठौड़ ने कहा कि विपक्ष के सवालों और मुद्दों से भाजपा के नेता व कार्यकर्ता डरे हुए है बौखलाए हुए है, जो कभी राज्यपाल के बचाव में आ जाते है तो कभी चुनाव आयोग के पक्ष में खड़े हों जाते है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से आज हमारे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के खिलाफ जो विरोध प्रदर्शन किया और पुतला जलाया, वो निंदनीय है। विधानसभा में कैमरे लगाने का मतलब साफ जाहिर है, विधायकों की जासूसी करना है। इसमें भाजपा का विरोध प्रदर्शन क्यों, इसका मतलब साफ है मोदी सरकार व डबल इंजन की सरकार बार बार संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी संवैधानिक पद पर है और लगातार भाजपा के नेता की तरह काम कर संवैधानिक

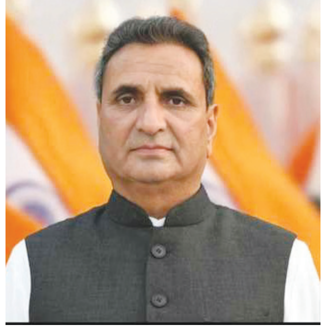

पद की गरिमा को तार तार कर रहे है, एक दिन पहले फॉयसागर रोड पर जो अतिवृष्टि से पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए जो चेक व नगद राशि वितरित की है, इसमें तमाम भाजपा के नेता व कार्यकर्ता साथ मौजूद रहे और उनकी मौजूदगी में चेक व नगद राशि का वितरण किया गया। राठौड़ ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी भाजपा पार्टी के नहीं है, वें संवैधानिक पद पद बैठे है, तो भाजपा उनकी पैरवी में कैसे उतर सकती है, यह भी बड़ा सवाल है, आज भाजपा के कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन भी ऐसा लगता है, जैसे उन्होंने अपने भाजपा नेता के लिए प्रदर्शन किया हो। देश में ऐसे हालत पैदा होने पर ही लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बार बार संविधान व लोक तंत्र की रक्षा की आवाज बुलंद कर रहे है। उन्होंने कहा कि आज पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व विधानसभा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली आदि कांग्रेस के नेताओं ने राज्यपाल को ज्ञापन देकर विधानसभा में कैमरे लगाने का विरोध किया और कैमरे लगाने पर सवाल उठाए है, कैमरे किस मद से लगाए और कैमरे क्यों लगाए। स्पीकर के पास कंट्रोल रूम क्यों स्थापित किया है, उसकी स्थिति स्पष्ट करे।

चेक व नगद वितरण की सूची करे सार्वजनिक-
पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की ओर से हंस पैराडाइज समारोह स्थल में एक दिन पहले बोराज तालाब की पाल टूटने से प्रभावित परिवारों को सहायता के लिए जो चेक व नगद राशि वितरित की है, उसे सार्वजनिक किए जाने की बात कही, ताकि सबको पता चल जाए कि किसको कितनी राशि मिली है। क्योंकि एक दिन पहले महिलाओं ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर नगद व चेक वितरण व उनके सर्वे पर सवाल उठाए थे और लोगों से भेदभाव किए जाने की बात कही थी।

भाजपा 14 करोड़ सदस्यों के साथ बनी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि भगवा पार्टी 14 करोड़ सदस्यों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है, जिनमें से दो करोड़ सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के देश भर में 240 लोकसभा सदस्य, लगभग 1,500 विधायक और 170 से ज्यादा विधान परिषद सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने विगत 11 वर्षों में काम और जवाबदेह सरकार की राजनीति की है, जबकि पिछली सरकारों में काम न करने की राजनीति थी और उन्होंने विकास कार्य नहीं किए। वे घोषणापत्र में किए गए वादों को भी भूल गए। सिर्फ परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति की।

जेपी नड्डा ने क्या कहा?
यहां पार्टी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''भारत में 20 राज्यों में राजग की सरकारें हैं और 13 राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। हम देश की सबसे बड़ी प्रतिनिधि पार्टी हैं। हम एक ऐसी पार्टी से आते हैं जिसका एक वैचारिक आधार है।" उन्होंने कहा कि पार्टी के वादे के अनुसार, अनुच्छेद 370 को हटाया गया, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ, सीएए और वक्फ अधिनियम में संशोधन किए गए और तीन तलाक को समाप्त किया गया। भारत, जो अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी दर स्लैब को घटाकर देश को एक उपहार दिया है।

जेपी नड्डा ने बताया लक्ष्य:-
उन्होंने कहा, ''हमारा रक्षा निर्यात सात गुना बढ़ गया है। हम चिकित्सा के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत अब 92 प्रतिशत मोबाइल फोन का उत्पादन और निर्माण कर रहा है।" आंध्र प्रदेश में किए गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने अमरावती में विकास कार्यों के लिए 15,000 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। आंध्र प्रदेश में आईआईटी और आईआईएम जैसे कई संस्थान स्थापित किए हैं। पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर हमला बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा कि वह एक निष्क्रिय सरकार थी। उन्होंने कहा, ''वह एक कुशासन वाली सरकार थी। वह भ्रष्टाचार से भरी हुई थी। अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार विकास की ओर अग्रसर है।"

शिक्षक सपनों को पंख देने वाला असली मार्गदर्शक- डॉ. मोहम्मद शोएब

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सचिव डॉ. मोहम्मद शोएब ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के महत्व को बताते हुए कहा की किसी भी बच्चे के जीवन में सबसे बड़ी पूँजी उसके माता-पिता और उसके शिक्षक होते हैं। माता-पिता जन्म देते हैं, लेकिन शिक्षक उस जीवन को सही रास्ता दिखाते हैं। वही बच्चे को अच्छा इंसान, ज़िम्मेदार नागरिक और सफल व्यक्ति बनने की तैयारी कराते हैं। इसीलिए 5 सितम्बर का दिन केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि अपने शिक्षकों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त करने का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि अगर शिक्षक न हों, तो समाज का भविष्य अधूरा रह जाएगा। आज के समय में जब समाज तेज़ी से बदल रहा है, तकनीक हर घर तक पहुँच चुकी है और बच्चों पर पढ़ाई का बोझ भी बढ़ा है, ऐसे में शिक्षक की भूमिका और भी ज़्यादा अहम हो जाती है। एक अच्छा शिक्षक

केवल किताबों का ज्ञान नहीं देता, बल्कि बच्चों को सही और ग़लत में फर्क समझाता है, मेहनत करना सिखाता है और जीवन के लिए अच्छे संस्कार देता है। मैं स्वयं एक स्कूल का प्रिंसिपल होने के नाते हर रोज़ देखता हूँ कि बच्चे अपने शिक्षकों की हर बात को कितनी गहराई से अपनाते हैं। अगर शिक्षक ईमानदारी, मेहनत और इंसानियत का रास्ता अपनाएँगे तो बच्चे भी वैसे ही बनेंगे। इसलिए शिक्षक का हर कदम और हर व्यवहार बच्चों के जीवन पर असर डालता है। आज जब समाज में नफ़रत और बाँटने की ताक़तें सक्रिय हैं, तब शिक्षा ही वह साधन है जो बच्चों को सही सोच, आपसी भाईचारे और इंसानियत का पैग़ाम देती है। एक शिक्षक के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उसके विद्यार्थी अच्छे इंसान बनें। शिक्षक दिवस हमें यह संदेश देता है कि शिक्षा को केवल नौकरी पाने का साधन न मानें, बल्कि इसे समाज की सेवा और देश की तरक्की का आधार बनाएं। आइए, हम सब यह वादा करें कि अपने शिक्षकों का सम्मान करेंगे, उनकी सीख को जीवन में अपनाएँगे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करेंगे।

बसपा प्रमुख मायावती ने पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ को बनाया चार राज्यों का को-आर्डिनेटर

लखनऊ (रॉयल पत्रिका)। बसपा प्रमुख मायावती ने अपने समधी (भतीजे आकाश आनंद के ससुर) पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ को केंद्रीय कोआर्डिनेटर बनाकर चार राज्यों का जिम्मा सौंपा है। अशोक की पिछले दिनों ही बसपा में वापसी हुई है। अशोक के साथ ही कई और पदाधिकारियों के दायित्वों में भी एक बार फिर फेरबदल किया

गया है। सूत्रों के अनुसार अशोक को पार्टी संगठन के सेक्टर-तीन का केंद्रीय कोआर्डिनेटर बनाकर छत्तीसगढ़, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर व गुजरात राज्य में पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। पहले इस सेक्टर को रणधीर सिंह बेनीवाल देख रहे थे। बेनीवाल को अब सेक्टर-चार का केंद्रीय कोआर्डिनेटर बनाया गया है जिसे अब तक डा. लालजी मेधांकर को मायावती ने सौंप रखा था। मेधांकर अब सेक्टर पांच और इसे देख रहे पूर्व विधायक अतर सिंह राव सेक्टर छह देखेंगे। सेक्टर छह अब तक पूर्व विधायक धर्मवीर सिंह के पास था। सेक्टर एक के पूर्व सांसद रामजी गौतम और दो के पूर्व सांसद राजाराम को यथावत बनाए रखा गया है। उल्लेखनीय है कि बसपा प्रमुख ने संगठन की दृष्टि से देश को छह सेक्टर में बांटते हुए हर एक में तीन से चार राज्यों को रखा है। सेक्टर के केंद्रीय कोआर्डिनेटर के कार्यों की समीक्षा का दायित्व पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद को सौंपा गया है।

यूनानी चिकित्सा विभाग में यूनानी चिकित्सा अधिकारियों की कोई सुनने वाला नहीं!

-चार साल से डीपीसी का इंतजार, एक साल से दवाईयों का इंतजार, आठ साल से केडर पुनर्गठन का इंतजार

-2016 में नियुक्त यूनानी चिकित्सा अधिकारियों को एमएसीपी का इंतजार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। यूनानी चिकित्सा विभाग में चिकित्सा अधिकारियों की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक पिछले चार साल से नहीं हुई है। मामले को लेकर चिकित्सा अधिकारियों और विभागीय अधिकारियों में गहरा असंतोष है। विभागीय यूनानी चिकित्सा अधिकारी संघ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन का कहना है कि आला अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा हमें आर्थिक रूप से उठाना पड़ रहा है, साथ ही पदोन्नति से भी वंचित हैं। जानकारी के अनुसार साल 2022 में करीब एक दर्जन अधिकारियों की डीपीसी होनी थी, जिसमें से गिने-चुने लोगों की ही डीपीसी हो पाई। विभागीय यूनानी चिकित्सा अधिकारी संघ राजस्थान ने करीब तीन साल से विभाग को दर्जनों बार पत्र लिखकर और व्यक्तिगत रूप से डीपीसी की गुहार लगा चुके हैं। लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसके अलावा यूनानी औषधालय और चिकित्सालयों में एक साल पहले दवाईयां भिजवाई गई थी उसके बाद आज तक दवाइंया उपलब्ध नहीं करवाई गई है। 2016 में नियुक्त यूनानी चिकित्सा अधिकारीयों की एमएसीपी के आदेश हो जाने चाहिए थे लेकिन अभी तक इंतजार ही कर रहे हैं। इसी तरह से यूनानी चिकित्सा अधिकारीयों का पुनर्गठन 2017 में हुआ था उसके बाद यूनानी चिकित्सा विभाग में सैकड़ों पदों की बढ़ोतरी हुई है लेकिन आज तक केडर का पुनर्गठन नहीं किया गया है। शासन सचिवालय और विभाग में मालूम करने पर जवाब मिलता है कि हमने फाइल शासन को भिजवा दी है और शासन के यहां से जवाब मिलता है कि आयूर्वेद के साथ ही आप का पुनर्गठन किया जाएगा।जब विभाग अलग अलग है तो काम अलग अलग क्यों नहीं होता है। हमारे शासन सचिव सुबीर कुमार गम्भीर अधिकारी हैं उन्होंने काम न होने पर पहले भी विभागीय अधिकारियों की खिंचाई की थी और यूनानी चिकित्सा विभाग का निदेशक का चार्ज भी शासन उपसचिव सावन कुमार चायल को दिया था लेकिन उसके बावजूद भी अभी तक विभागीय अधिकारियों की तरह ही काम बहुत ज्यादा देरी से हो रहें हैं। डॉ कादिर हुसैन ने कहा कि यही रवैया रखना था तो विभागीय निदेशक ही बना देते।

धरती पर कहीं भी हमला कर सकती है चीन की परमाणु मिसाइल DF-5C

-10 वॉरहेड ले जाने की क्षमता, एटमी जंग में गेमचेंजर

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने इस महीने की शुरूआत में मिलिट्री डे परेड के दौरान दुनिया की सबसे विनाशक मिसाइल DF-5C का प्रदर्शन किया है। ये मिसाइल दुनिया में किसी भी जगह हमला करने में सक्षम है। ये एक लिक्विड फ्यूल इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यानी ICBM है, जिसे DF-5C के नाम से जाना जाता है। चीनी अधिकारियों ने जोर देकर कहा है कि यह "हमेशा सतर्क रहेगी और दुनिया में कहीं भी हमला करने में सक्षम है"। आपको बता दें कि लिक्विड-ईंधन वाले रॉकेटों की रेंज लंबी होती है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी दिक्कत ये रही है कि इसमें ईंधन भरने में समय लगता है और ईंधन भरने के बाद उन्हें लंबे समय तक रखा नहीं जा सकता। अमेरिका के पास मिनटमैन III जैसी ठोस-ईंधन वाली मिसाइल है, जिसे लंबे समय तक रखा जा सकता है। लेकिन डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि DF-5C ने कमियों को दूर कर लिया है।

चीन ने DF-5C मिसाइल को बना दिया है विनाशक-
माना जा रहा है कि यह मिसाइल एक बार में 10 वारहेड तक ले जाने की क्षमता रखती है, जबकि अमेरिका के मिनटमैन-III ICBM सिर्फ 3 MIRVs तक ले जा सकते हैं। हालांकि, लिक्विड प्रोपेलेंट्स जैसे हाइड्राजीन और नाइट्रोजन टेट्रॉक्साइड बेहद जहरीले और अस्थिर होते हैं, जिससे उनका फ्यूलिंग प्रोसेस काफी मुश्किल और खतरनाक बन जाता है। DF-5C के नये डिजाइन से पता चलता है की चीन ने इन समस्याओं को दूर कर लिया है।

अमेरिका में विनाश फैलाने की अब चीन के पास क्षमता-
साउथ चायना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, DF-5C की मारक क्षमता 20,000 किलोमीटर से भी ज्यादा मानी जा रही है, यानी ये मिसाइल पृथ्वी पर किसी भी हिस्से को टारगेट कर सकता है। इसके मुकाबले, रूस का सर्मत (Sarmat) ICBM मिसाइल और अमेरिका का मिनटमैन-III तकनीकी रूप से मजबूत हैं, लेकिन चीन का DF-5C उन्हें सीधी चुनौती देता है। यह मिसाइल न सिर्फ लंबे समय तक ईंधन भरी अवस्था में सुरक्षित रह सकती है, बल्कि अपने भारी पेलोड और आधुनिक नोजल टेक्नोलॉजी की वजह से चीन को एक वैश्विक न्यूक्लियर स्ट्राइक क्षमता देता है।

चीन अब भारत से नजदीकी बढा रहा-
चीन अमेरिका में दुश्मनी बढ़ती जा रही है। अमेरिका की विश्व में सुपरपावर की पदवी को चीन छीनना चाहता है। इसलिए अमेरिका चीन को दुश्मन समझता है। दूसरी तरफ चीन भी अमेरिका को पीछे छोड़कर विश्व की आर्थिक एवं सैन्य शक्ति बनना चाहता है यही कारण है कि चीन दूसरे देशों से अपने संबंध सुधार रहा है। भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। भारत के प्रधानमंत्री ने अमेरिका के टैरिफ मामले के बाद अमेरिका से दूरी बनाना शुरू कर दिया है। भारत अब चीन, रूस, ईरान के नजदीक दिखाई देता है। ऐसी स्थिति में अमेरिका को आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान हो सकता है अमेरिका को आर्थिक मजबूत बनाने में भारत का बड़ा योगदान रहा है। विशेषज्ञयों का कहना है कि अमेरिका जल्दी ही आर्थिक रूप से कमजोर होकर बिखर जाएगा। भविष्य में भारत और चीन ही विश्व के महाशक्ति मानी जाएगी।

भारत का स्मार्टफोन निर्यात 1 लाख करोड़ पार, एप्पल सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने स्मार्टफोन निर्यात में नया रिकॉर्ड बनाया है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली पाँच महीनों में निर्यात 1 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा हो गया, जो पिछले साल से 55% अधिक है। सबसे बड़ा योगदान एप्पल के कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन का रहा, जिन्होंने 75% हिस्सेदारी के साथ 75,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का निर्यात किया। PLI योजना और अमेरिका-चीन तनाव से भारत को बड़ा फायदा मिला है। अब अमेरिका के स्मार्टफोन आयात में भारत की हिस्सेदारी 44% हो गई है, जबकि चीन की घटकर 25% रह गई। भारत में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स की संख्या 2014 में 2 से बढ़कर अब 300 हो चुकी है। आज देश में बिकने वाले 99% मोबाइल यहीं बनाए जाते हैं।

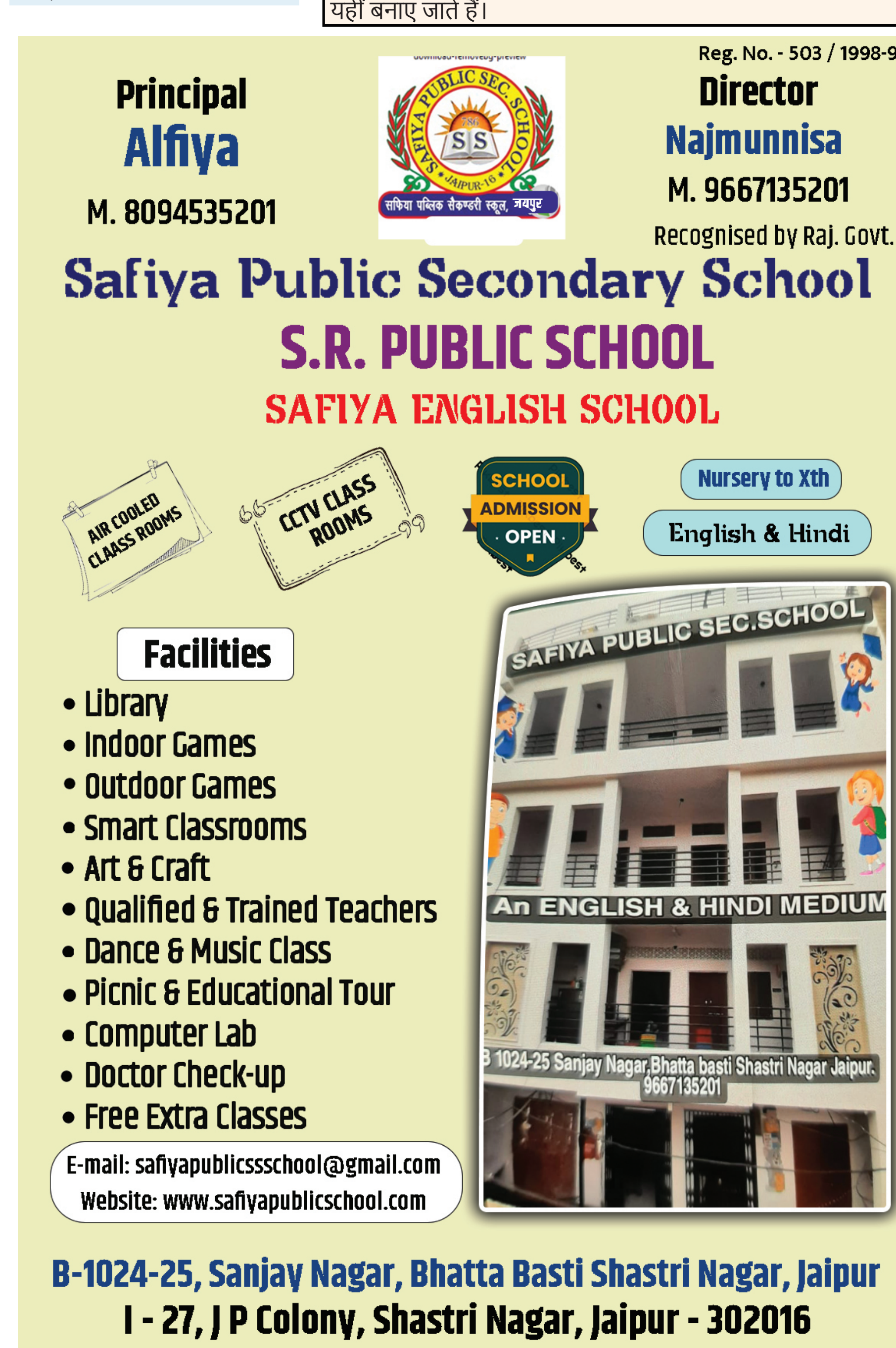

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com